

30 नवंबर 2026 तक पूरा करने का रखा लक्ष्य

मधुबन चौक पर बन रहे स्काईवॉक का 60 प्रतिशत काम पूरा : रेखा

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

दिल्ली के मधुबन चौक पर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्काईवॉक और फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण कार्य जारी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा आउटर रिंग रोड पर 9.62 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही इस परियोजना का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और इसे 30 नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस बात की जानकारी शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह स्काईवॉक-एफओबी



पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन, मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन और रोहिणी जिला न्यायालय के बीच सुरक्षित पैदल संपर्क उपलब्ध कराएगा। इससे मेट्रो यात्रियों, अधिकताओं, न्यायालय कर्मचारियों, न्यायालय आने वाले

लोगों और स्थानीय निवासियों को इन महत्वपूर्ण स्थानों के बीच आवागमन में सुविधा मिलेगी। यह सुविधा सड़क से अलग स्तर पर पैदल आवागमन के लिए बनाई जा रही है। इसके पूरा होने के बाद पैदल यात्रियों को व्यस्त आउटर

रिंग रोड को सड़क के स्तर पर पार करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे उनकी सुरक्षा बढ़ेगी और पैदल यात्रियों तथा वाहनों के बीच टकराव कम होगा। मधुबन चौक पर समर्पित पैदल मार्ग उपलब्ध होने से यातायात के प्रवाह में सुधार और जाम कम करने में भी मदद मिलेगी। परियोजना ऐसे क्षेत्र में सुरक्षित और सुविधाजनक पैदल सुविधा उपलब्ध कराएगी, जहां वर्तमान में सड़क से अलग स्तर पर पैदल पार करने की सुविधा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मधुबन चौक मेट्रो स्टेशन के शुरू होने के साथ यह सुविधा मेट्रो नेटवर्क और आसपास के महत्वपूर्ण स्थानों के बीच बेहतर जुड़ाव तथा अंतिम छोर तक

संपर्क मजबूत करने में मदद करेगी। साथ ही, मेट्रो स्टेशनों और आसपास के गंतव्यों के बीच सुरक्षित पैदल मार्ग मिलने से मेट्रो के इस्तेमाल तथा टिकाऊ और सार्वजनिक परिवहन आधारित आवागमन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मधुबन चौक की यह परियोजना सुरक्षित पैदल आवागमन, मेट्रो से बेहतर जुड़ाव और अंतिम छोर तक संपर्क को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परियोजना के पूरा होने के बाद मेट्रो स्टेशनों और रोहिणी जिला न्यायालय के बीच आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा तथा आउटर रिंग रोड पर यातायात के सुचारु प्रवाह में भी मदद मिलेगी।



हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने द्वारा शनिवार को वंदे मातरम् के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत की रक्षा के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करने के बाद दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि वन्दे मातरम् भारत की आत्मा, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर अभिव्यक्ति है। इसके स्वर में स्वतंत्रता संग्राम की हुंकार, असंख्य राष्ट्रभक्तों के बलिदान और भारत माता के प्रति अटूट श्रद्धा की भावना समाहित है। इसकी गरिमा और पूर्ण स्वरूप को किसी भी राजनीतिक स्वार्थ, तुष्टीकरण या वोट-बैंक की राजनीति के आधार पर सीमित करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को पूर्ण वंदे मातरम् के सम्मान, प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की रक्षा के अपने संकल्प को पुनः दोहराया है। जिस वन्दे मातरम् ने स्वतंत्रता के संघर्ष में भारतवासियों को एकजुट होकर राष्ट्र के लिए समर्पित होने की प्रेरणा दी, वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 के विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का

जयघोष बनेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को प्रस्ताव पारित किया कि 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के अपने प्रस्ताव को पुनः स्वीकार करते हुए कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के केवल प्रथम दो पदों के गायन को सीमित करने के निर्णय को कड़ी निंदा और स्पष्ट शब्दों में विरोध करती है। वहीं कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि भाजपा वन्दे मातरम् को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है। यह केवल किसी राजनीतिक दल से

जुड़ा विषय नहीं है। यह भारत के सम्मान और उन असंख्य देशभक्तों की विरासत का प्रश्न है, जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसलिए अपने 10 संकल्पों के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी देशवासियों से आह्वान करती है कि वे स्मरण रखें - वन्दे मातरम् के शब्द कभी इतने शक्तिशाली थे कि एक साम्राज्य उनसे भयभीत हो उठा था। अंग्रेजों ने इन्हें दबाने का प्रयास इसलिए किया क्योंकि इन शब्दों ने प्रतिरोध की चेतना जगाई थी। पीढ़ियों के भारतीयों ने इन्हें स्वतंत्रता, बलिदान और राष्ट्रगौरव के मंत्र के रूप में अपनाया।

आप एमएलए कुलदीप ने पुलिस आयुक्त से मांगा बिगड़ती कानून व्यवस्था पर मिलने का समय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व कोडली से विधायक कुलदीप कुमार ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पत्र को साझा किया। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैंने अपनी विधानसभा और दिल्ली में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और नशे के अवैध कारोबार को लेकर अपने विधायक प्रतिनिधि मंडल के साथ दिल्ली पुलिस कमिश्नर से मुलाकात करने का समय मांगा है। खराब कानून व्यवस्था के चलते सरेआम हत्या जैसे जघन्य अपराध होने से लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल है। हमें उम्मीद है कि पुलिस कमिश्नर मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द मिलने का समय देंगे। क्योंकि हमारे क्षेत्र में हाल के दिनों में एक सफाई कर्मचारी की सरेआम हत्या तथा इसके बाद एक अन्य मौजजात की हत्या हो गई। इन गंभीर घटनाओं ने क्षेत्रवासियों के मन में भय, असुरक्षा और चिंता का वातावरण पैदा कर दिया है। कुलदीप ने कहा है कि इन घटनाओं के साथ-साथ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में नशे के अवैध कारोबार एवं नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायत भी लगातार सामने आ रही है। यह स्थिति विशेष रूप से युवाओं और उनके परिवारों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय नागरिकों में इसको लेकर आक्रोश है। लोग चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन नशे के कारोबार और अपराध पर प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपराध, नशे के कारोबार और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों के प्रभावी समाधान की दिशा में ठोस कदम सुनिश्चित करना है।

महापौर वाही ने उत्तर पश्चिम क्षेत्र के एंटी डेंगू माह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

बरसाती मौसम के मद्देनजर महापौर प्रवेश वाही ने उत्तर पश्चिम क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-8 में एंटी डेंगू माह जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया। शनिवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में महापौर वाही के अलावा स्थानीय पार्षद नरेंद्र सोलंकी, उत्तर पश्चिम क्षेत्र के उपायुक्त अंशुल सिरोही, उप स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कनिष्क तिता का विषय है। स्थानीय नागरिकों के प्रतिनिधि पिनारम के कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर महापौर ने मच्छर जनित बीमारियों से बचाव एवं उनकी रोकथाम के उपायों से संबंधित एक प्रदर्शनी का भी अनावरण किया। इसके अलावा महापौर ने मच्छरों की रोकथाम के लिए एवं उनसे संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए। महापौर ने कहा कि नागरिक इस नंबरों पर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। महापौर वाही ने कहा कि डेंगू,मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका मच्छरों को पनपने से रोकना है।



उन्होंने निगम अधिकारियों से मौके पर कहा कि आने वाले एक सप्ताह में धार्मिक स्थलों जैसे मंदिरों गुरुद्वारों इत्यादि में भी फॉगिंग आरम्भ की जानी चाहिए। मच्छर जनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया एडीज और एनोफिलीज मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। एडीज मच्छर साफ जमा पानी जैसे ड्रम, कुलर, टिन, फूलों के गमले, मनी प्लांट, ओवरहेड टैंक,पक्षियों के पानी के बर्तन आदि में पनपते हैं। स्रोत पर पानी के ठहराव को रोककर मच्छरों के प्रजनन को बहुत आसानी से रोका जा सकता है। महापौर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने घर और उसके आसपास पानी जमा ना होने दें ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

सज्जन कुमार को नायक कहने के विरोध में...

सिखों ने किया राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपेंद्र हुड्डा द्वारा पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन के बाद उनको रोड मॉडल बताने पर सिखों ने शनिवार को संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर सिखों ने राहुल गांधी, दीपेंद्र हुड्डा व सज्जन कुमार के पुतले का भी दहन किया। उन्होंने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा का बयान यूं ही नहीं आया, बल्कि राहुल गांधी की ओर से उन्हें पूरा समर्थन दिया गया, जिसके चलते उन्होंने सज्जन कुमार को रोल मॉडल बताया। विरोध प्रदर्शन दिल्ली सिख गुरुद्वाराs प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों को अगुवाई में किया गया। प्रदर्शन के दौरान कालका व काहलों सहित अन्य लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। इस मामले पर कालका और काहलों ने मांग की कि राहुल गांधी दीपेंद्र हुड्डा को तुरंत पार्टी से बाहर निकालें और सिख कौम से, विशेष



रूप से 1984 के सिख कत्लेआम के पीड़ित परिवारों से माफी मांगें। दोनों ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक बात है कि 1984 के सिख कत्लेआम के मामलों में दोहरी उल्लेख के सजा भुगत रहे क्रूर हत्यारे सज्जन कुमार को कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा जैसे नेता पार्टी का रोल मॉडल बता रहे हैं। क्या निदोष सिखों का कत्लेआम करवाने वाला

नेता किसी का भी रोल मॉडल हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के लिए यह रोल मॉडल था, तो इससे खुद समझा जा सकता है कि कांग्रेस पार्टी सिखों के प्रति किस तरह की मानसिकता रखती है। उन्होंने कहा कि यह भी एक सच्चाई है कि गांधी परिवार ने पूरी उम्र 1984 के सिख कत्लेआम के दोषियों की सरपरस्ती की है। उसने

न केवल कत्लेआम करवाने वाले नेताओं को कैबिनेट मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा की सदस्यता, चेयरमैन पद और अन्य उच्च पदों से नवाजा, बल्कि हमेशा इन नेताओं को पार्टी में भी बड़े-बड़े पद देकर जहां सिखों के जख्मों पर नमक छिड़का, वहीं यह भी बता दिया कि गांधी परिवार को ये नेता हमेशा जान से भी ज्यादा प्यारे रहे हैं।

कांग्रेस ने फिर सिखों के जख्मों पर नमक छिड़का : सिरसा



नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 1984 के सिख नरसंहार के गुनहवार सज्जन कुमार की वकालत करके कांग्रेस और गांधी परिवार ने एक बार फिर सिखों के जख्मों पर नमक छिड़का है। मंत्री सिरसा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जिसे अदालतों ने बेगुनाह सिखों के खून का गुनहवार माना और सलाखों के पीछे भेजा, कांग्रेस के नेता उसे अपना आइकॉन बता रहे हैं और उसके जाने पर मातम मना रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक और धिन्नैना है। दिल्ली की जिस मिट्टी में 1984 में हजारों बेकसूर सिखों का खून बहाया गया था, आज उसी मिट्टी की दुहाई देकर मैं कहता हूँ कि कांग्रेस का असली डीएनए ही सिख-विरोधी है। गांधी परिवार की रांगों में सिखों के प्रति जो नफरत दौड़ रही है, वह आज फिर उनके नेताओं की भाषा में बाहर आ गई है। सज्जन कुमार जैसे कातिल कांग्रेस के आदर्श हो सकते हैं, लेकिन दिल्ली की जनता और सिख समाज इस नीच मानसिकता को कभी माफ नहीं करेगा। हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक ऐसी मानसिकता को जड़ से उखाड़ न पेंका जाए।

मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे स्थित मुगलकालीन सराय को किया जा सकता है संरक्षित

एजेंसी►►नई दिल्ली

दिल्ली के मथुरा रोड पर मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे यातायात और कंक्रीट के बीच, एक भूली-बिसरी इमारत के खंडहर में 18वीं सदी की एक सराय (मुसाफिरखाना) के अवशेष हो सकते हैं, जिसे उस पुर्तगाली महिला ने बनवाया था, जिसका कभी मुगल दरबार में बहुत खास रुतबा था। इतने ऐतिहासिक महत्व वाली इमारत के लिए यह एक अप्रत्याशित स्थान है।

फ्लाईओवर के नीचे लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के देखरेख वाले हरित क्षेत्र में दीवारों के कुछ हिस्से, मेहराबदार दरवाजा, पुरानी इमारत के टुकड़े और एक कुआं (जिसमें अब भी पानी है)- बस यही चीजें 'सराय जुलियाना' की बची-खुची निशानियां हो सकती हैं। यह 18वीं सदी में यात्रियों के ठहरने के लिए 'डोना जुलियाना डायस दा कोस्टा' ने बनवाया था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के धरोहर प्रकोष्ठ के सस्त्र सचिव डॉ. अकील अहमद ने इन खंडहरों की पहचान सराय के संभावित अवशेषों के तौर पर की और कहा कि निगम इस दांचे को धरोहर स्थल के तौर पर अधिसूचित करने की योजना बना रहा है। इस तरह की मान्यता उस समयको आधिकारिक दर्जा दिला सकती है, जिसका नाम 'दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके के शहरी गांव 'सराय जुलेना' में तो बचा रहा, लेकिन माना जाता है कि वह



'सराय' ही गायब हो गई है। ऐतिहासिक शोध से पता चलता है कि जुलियाना ने 1720 में मुहम्मद शाह 'रंगीला' के शासनकाल के दौरान ओखला में यूरोपीय यात्रियों के लिए आराम करने की जगह के तौर पर एक सराय बनवाई थी। यह जानकारी 'जुलियाना नामा' किताब में मिलती है, जिसे राष्ट्रीय संग्रहालय के पूर्व निदेशक रघुराज सिंह चौहान और आर्काईविस्ट मधुकर तिवारी ने लिखा है। उन्होंने फ्रेंच, पुर्तगाली, फ़ारसी और उर्दू स्रोतों के जरिये जुलियाना के जीवन के बारे में जानकारी जुटाई थी। इस पहली का पहला हिस्सा यही जगह है।

मथुरा रोड के शहरी राजमाफ बनने से बहुत पहले, यह उत्तर-पश्चिमी सीमा को मुगल साम्राज्य के मुख्य इलाके से जोड़ने वाले जमीनी रास्ते का हिस्सा था। शेरशाह सूरी के समय में विकसित यह रास्ता 'सड़क-ए-आजम' या 'शेट रोड' के नाम से जाना जाता था। यह पेशावर, लाहौर, दिल्ली और आगरा से होते हुए बंगाल तक जाता था और बाद में यही 'ग्रेंड ट्रंक रोड' का आधार बना।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी को भेजा जेल

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने 21 अगस्त को थाना डबुआ क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में आरोपी कहैया निवासी राजीव कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

फायरिंग के मामले में एक और आरोपी काबू

फरीदाबाद। थाना कोतवाली क्षेत्र में फरवरी 2025 में भोजनालय संचालक पर फायरिंग करने के मामले में अपराध शाखा की टीम ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष कुमार निवासी गांव जैत मथुरा हाल नंगला एन्क्लेव पार्ट-टू फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

हवाबाजी के लिए लिया अवैध पिस्टल, 2 आरोपी दबोचे

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने एवं हथियारों की खरीद-फरोख्त में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 की टीम ने 21 अगस्त 2026 को अवैध देसी पिस्टल के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राशिद निवासी गांव धौज फरीदाबाद तथा आरिस निवासी घासेड़ा, नूंह के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया, न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि राशिद के पास अवैध हथियार है।

मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राशिद निवासी गांव धौज फरीदाबाद तथा आरिस निवासी घासेड़ा, नूंह के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया, न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि राशिद के पास अवैध हथियार है।

पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की

पुलिस कर्मियों पर पथराव कर चोट पहुंचाने व सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में 3 धराए

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

20-21 अगस्त की रात्रि को टाउन नंबर-1 मार्केट में रात्रि गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौच, पथराव कर चोट पहुंचाने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया था।

जिसमें कार्रवाई करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम ने 3 आरोपी लोकेश, निखिल व पवन कुमार निवासी रामनगर फरीदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। जिनको माननीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जुडिशल जेल में बंद करने के आदेश प्राप्त हुए हैं। पुलिस के अनुसार एसपीओ राजकुमार थाना कोतवाली में ईआरवी राइडर

निगम के हड़ताली कर्मचारियों ने विधायक मूलचंद शर्मा को सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद के कर्मचारियों ने हड़ताल के 17 वें दिन किया बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा के कार्यालय का घेराव सरकार पर लगाए वायदा खिलाफी के गंभीर आरोप 13 मई के समझौते को लागू करवाने का दिया ज्ञापन। आज के 17 वें दिन के विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता संध के जिला प्रधान दलीप बोहत ने की संचालन लक्ष्मण पारखा ऑडिटर सफाई कर्मचारी युनियन ने किया। हड़ताल के कर्मचारियों को संध के नेता सुनील चिंडालिया राज्य उप महासचिव, बलबीर बालगुहेर प्रधान सफाई कर्मचारी युनियन, अनिल चंडालिया जिला सचिव एवं करतार सिंह जौलाना, जिला सचिव कॉमरेड वीरेन्द्र डंगवाल ने मुख्य रूप से सम्बोधित किया।

प्रतिनिधिमंडल ने दुकानों को फ्री होल्ड कराने की मांग की

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

व्यापारियों को दुकानों के मालिकाना हक से जुड़ी समस्या को लेकर हरियाणा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने दुकानदारों की लंबित मांगों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखते हुए शेष दुकानों को फ्री होल्ड कराने की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि अंबेडकर चौक के

आसपास करीब 650 दुकानें हैं, जिनमें से अधिकांश दुकानों को फ्री होल्ड किया जा चुका है, जबकि अभी भी 31 दुकानदार अपने मालिकाना हक के लिए प्रयासरत हैं। व्यापार मंडल ने कहा कि ये व्यापारी लंबे समय से अपनी दुकानों के मालिकाना हक की प्रक्रिया पूरी होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान राम जुनेजा ने केंद्रीय मंत्री गुर्जर से निवेदन किया कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर लंबित मामलों का

मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए निर्देश

मंत्री ने दिया आश्वासन जल्द होगा समाधान



जल्द समाधान कराया जाए, ताकि व्यापारियों को राहत मिल सके। व्यापारियों ने केंद्रीय मंत्री से सकारात्मक कार्रवाई करते हुए सभी लंबित दुकानों का मालिकाना हक दिलाने की मांग की और उम्मीद जताई कि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान होगा। इस अवसर पर हरियाणा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष राम जुनेजा, प्रेम खट्टर, विनोद आहूजा, नानक चंद कालड़ा, रुपेश अग्रवाल, पवन मेहंदीरता, भारत अरोड़ा, दिनेश बंसल, अशोक कत्याल और विजय अरोड़ा सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

तिगांव में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन करने पहुंचे मंत्री नागर

जीवन को ढंग से जीने के लिए स्वास्थ्य की करवाएं निरंतर जांच: राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

अजय नागर वाटिका तिगांव में आज ग्रामीणों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंत्री राजेश नागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर के आयोजन में अमृता अस्पताल, रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद ईस्ट और रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद एक्सीलेंस ने सहयोग किया। मंत्री राजेश नागर ने लोगों से कहा कि अपने स्वास्थ्य की निरंतर जांच करके ही आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और स्वस्थ जीवन जीने वाला व्यक्ति ही अपने जीवन का सही आनंद उठा सकता है। मंत्री ने लोगों से कहा कि यदि आप स्वस्थ रहेंगे तो अपने उद्देश्यों की पूर्ति कर पाएंगे अन्यथा केवल दवाइयां खाते रहेंगे। मंत्री राजेश नागर ने लोगों से कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन आपको जागरूक करने के लिए किया जाता है। आप सरकारी

खास बातें

■ आयोजन में अमृता अस्पताल, रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद ईस्ट और रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद एक्सीलेंस ने सहयोग किया



अथवा निजी किसी भी प्रकार के अस्पताल का उपयोग करके अपने स्वास्थ्य की समय पर जांच करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में अभी भी रोग होने के बाद उसके उपचार पर काम किया जाता है जबकि परहेज अपना कर पहले से ही आदमी निरोगी जीवन जी सकता है। इसके लिए हरियाणा सरकार ने अनेक योजनाएं संचालित की हैं अस्पतालों को भी सुसज्जित

किया है। आप उनका लाभ उठाएं। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के माध्यम से 280 रक्त जांच, 330 सामान्य जांच, 230 दांत रोगों की जांच, 320 आंखों की जांच, 180 हड्डी रोगों की जांच, 90 खी रोगों की जांच, 150 त्वचा रोग, 25 मैमोग्राफी, 40 एचआईवी और 90 टीबी रोगों सहित कुल 2,ख138 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।

यह लोग उपस्थित रहे

इस अवसर पर आयोजक उद्यमी अजय नागर, तिगांव के सरपंच विक्रम प्रताप नागर, तिगांव अध्या पट्टी के सरपंच प्रतिनिधि वेद प्रकाश अध्या, अमन नागर, कमल नागर, चंद कौशिक, रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद ईस्ट के संरक्षक केसी लखानी, चेयर फाउंडेशन एचएल गूतानी, प्रेसिडेंट गुरजीत कौर चावला, सचिव रिटायर्ड मेजर राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष एसके त्यागी, ब्लड डोनेशन कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह तथा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर धर्मवीर गुला, रोटी क्लब ऑफ फरीदाबाद एक्सीलेंस की प्रेसिडेंट डॉ. गरिमा गुला, सचिव प्रियंका जैन और कोषाध्यक्ष शिरपी गर्ग आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

फरीदाबाद में देरी नहीं हो रही, बल्कि मजबूत संगठन की तैयारी हो रही: उमंग सिंधार

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कहा है कि संगठन सृजन अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और हरियाणा में संगठन निर्माण की प्रक्रिया पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। फरीदाबाद में देरी नहीं हो रही, बल्कि मजबूत संगठन की तैयारी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत जिला कांग्रेस समितियों से लेकर जमीनी स्तर तक संगठन को अधिक मजबूत, जवाबदेह, पारदर्शी और जनता से सीधे जुड़ा बनाया है। यह बातें शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता

सिंधार ने कहा- डीसीसी अध्यक्षों के चयन, नियुक्ति, सशक्तिकरण और जवाबदेही की प्रक्रिया को नया स्वरूप दिया जा रहा है



प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहीं। उमंग सिंधार ने कहा कि डीसीसी अध्यक्षों के चयन, नियुक्ति, सशक्तिकरण और जवाबदेही की प्रक्रिया को नया स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सोच संगठन को ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर मजबूत करने की है जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण हो। इस अभियान के तहत अधिकांश जिला में संगठन निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जबकि फरीदाबाद सहित कुछ जिलों में प्रक्रिया अभी शेष है। जिलों में संगठन से जुड़े निर्णय जल्दबाजी में नहीं बल्कि पूरी राजनीतिक और संगठनात्मक समझ के साथ लिए जाते हैं।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

महाराष्ट्र के रहने वाले 2 आरोपी अरेस्ट, 49 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

जिले में अवैध शराब की बिक्री, तस्करी एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस चौकी बस स्टैंड बल्लभगढ़ की टीम ने कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 49 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की हैं। पुलिस ने बताया कि 21 अगस्त को पुलिस चौकी बस स्टैंड बल्लभगढ़ की टीम को अवैध शराब के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए रेलवे रोड बल्लभगढ़ के पास से दो आरोपियों सुनील निवासी मारीशा को-

ऑपरेटिव सोसाइटी, जिला ठाणे, महाराष्ट्र तथा महेश निवासी ओमकार रेजीडेंसी, जिला ठाणे, महाराष्ट्र को काबू किया। पुलिस टीम ने दोनों के कब्जे से 49 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। जिनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी मूल रूप से महाराष्ट्र के ठाणे जिले के रहने वाले हैं और किसी काम के सिलसिले में फरीदाबाद आए थे। दोनों ने फरीदाबाद से कम कीमत पर अंग्रेजी शराब खरीदकर उसे महाराष्ट्र में अधिक कीमत पर बेचने की योजना बनाई थी। दोनों आरोपियों ने फरीदाबाद में शराब खरीदी और उसे लेकर ट्रेन के माध्यम से महाराष्ट्र जाने की फिराक में थे।

नागरिक बीएलओ के समक्ष प्रस्तुत करें दावे व आपत्तियां

हरिभूमि न्यूज़►►फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-

जेन जी के लिए न्यूमी ने खोला पहला हाई-स्ट्रीट स्टोर

गुरुग्राम। जेन जी महिलाओं के लिए फैशन स्टेट ब्रांड न्यूमी ने कामला नगर में अपना पहला हाई-स्ट्रीट स्टोर शुरू किया है। यह दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड का पांचवां स्टोर है। नए स्टोर के साथ देशभर में न्यूमी के स्टोर की संख्या 35 हो गई है। कंपनी अक्टूबर तक इसे 50 स्टोर तक पहुंचाने की योजना बना रही है। कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमित जसोरिया ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर कंपनी के लिए मजबूत बाजार रहा है और मौजूदा स्टोर के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए यहां विस्तार किया गया है। यहां युवाओं को खरीदारी के साथ फैशन, संस्कृति और समुदाय से जुड़ा अनुभव देने पर जोर दिया गया है। कंपनी का लक्ष्य केवल स्टोर की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ग्राहकों की जरूरतों को समझने वाला मजबूत खुदरा नेटवर्क तैयार करना है। कंपनी अपने डिजिटल मंच और न्यूमी जिप सेवा के जरिए तेज फैशन उपलब्ध कराने पर भी काम कर रही है। राजस्थान ,दिल्ली-एनसीआर में विस्तार के साथ ब्रांड 50 स्टोर के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। न्यूमी हर सप्ताह 500 से अधिक नए स्टाल्डन शेष करता है, जिन्हें मौजूदा फैशन रद्धानों और ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है।

रविवार को भी दावे व आपत्तियां प्राप्त करेंगे बीएलओ : जिला निर्वाचन अधिकारी सिन्हा

2026 के तहत पात्र नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए रविवार 23 अगस्त तथा शनिवार 29 अगस्त व रविवार 30 अगस्त को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इन तिथियों को शनिवार एवं

रविवार होने के बावजूद सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहेंगे और पात्र नागरिकों से मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी- /2023 देखिए)

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त विजेन्द्र कुमार पुत्र रघु. एल राघवेंद्र सिंह निवासी एन-2, टॉप फ्लोर, कालकाजी नगर, नई दिल्ली-19 ने एफआईआर संख्या 476 /05, धारा 379 /419 /420 /468/ 471 मा.द.स. के तहत थाना कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त विजेन्द्र कुमार नहीं मिल रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त विजेन्द्र कुमार फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर संख्या 476 /05 धारा 379 /419 /420 /468/ 471 मा.द.स. के तहत थाना कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त विजेन्द्र कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 25.11.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार चरण सलवान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01 21, प्रथम तल, मुख्य बिल्डिंग, पटियाला हाऊस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/11569/NDD/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त स्टेलो मैक्स प्राइवेट लिमिटेड अहेद खान पुत्र इसमाइल खान निवासी मकान नंबर 102, टावर नंबर 5, ग्राउंड फोर्ट, सोसायटी-76, एसआईटीएमएस U/S 452/506/34323/ 341 IPC Act, अन्तर्गत थाना मयूर विहार, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त स्टेलो मैक्स प्राइवेट लिमिटेड अहेद खान मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त स्टेलो मैक्स प्राइवेट लिमिटेड अहेद खान फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि CT Case 839/19 U/S 452/506/34323/341 IPC Act, अन्तर्गत थाना मयूर विहार, दिल्ली के उक्त अभियुक्त स्टेलो मैक्स प्राइवेट लिमिटेड अहेद खान से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 13.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार सुश्री रितिका कंसल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी(महिला कोर्ट-02) कोर्ट संख्या 24 DP/11663/ED/2026(Court Matter) कड़कड़मुड़ा न्यायालय, दिल्ली

खबर संक्षेप

रामगढ़ फैक्ट्री में हुआ मीषण ब्लास्ट, 3 की मौत

रांची। झारखंड के रामगढ़ जिले में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के बरकाकाना की मां



छिन्नमस्तिका फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से हुए ब्लास्ट में तीन इंजीनियरों की मौत हो गई। इस घटना एक मजदूर बुरी तरह से घायल भी हुआ है। ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री में हड़कंप मच गया और सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना के कारणों की जांच की।

नीतीश की विरासत पर आरएलएम ने ठोका दावा

पटना। बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार की विरासत को लेकर एनडीए में घमासान छिड़ गया है।



आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश की विरासत को आगे बढ़ाने का दायित्व संभालने की इच्छा जताई। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आरएलएम चीफ को अपना कुनबा संभालने की नसीहत दे दी और कहा कि वह दिन में सपने न देखें।

जल चढ़ाने से रोकने पर कांवड़ियों का हंगामा

कन्नौज। विशेष कांवड़ यात्रा के दौरान कुनबा संभालने की नसीहत दे दी और कहा कि वह दिन में सपने न देखें।



विवाद सामने आया है। एक कांवड़िए ने पुलिस पर रास्ते में रोकने और बंदूक की बट से मारने का गंभीर आरोप लगाया है। साथी के साथ कथित मारपीट की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में कांवड़िये आक्रोशित हो गए और बोर्डिंग ग्राउंड में एकत्र होकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अखिलेश-मायावती समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने की तैयारी

एजेसी►►लखनऊ

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती समेत 44 प्रमुख नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने की तैयारी है। सुरक्षा मुख्यालय ने करीब 10 लाख रुपये की लागत से बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदी हैं। योगी सरकार के 11 मंत्रियों को भी बुलेटप्रूफ जैकेट्स मिलेंगी।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने नेताओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार, अखिलेश यादव और मायावती सहित कई प्रमुख नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर ये छहतियाती कदम उठाया जा रहा है...

विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला

चुनाव से पहले योगी सरकार का सुरक्षा व्यवस्था पर बढ़ा फोकस

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़े नेताओं की जनसभाओं, रैलियों और चुनावी दौरों के दौरान सिव्योरिटी को लेकर खास सावधानी बरती जाती है। ऐसे में बुलेटप्रूफ जैकेट के इंतजाम को सिव्योरिटी सिस्टम को मजबूत करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले हाल ही में सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी में स्कूलों की दुर्दशा के आरोपों पर जवाब दिया था और बताया था 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत स्कूलों और स्टूडेंट्स को क्या-क्या दिया गया है।

सुरक्षा और खुफिया इनपुट के महहनजर लिया गया फैसला

संजय निषाद और नंद गोपाल नंदी सहित कई मंत्रियों और नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट्स दी जाएंगी। बता दें कि सुरक्षा और खुफिया इनपुट को देखते हुए एहतियातन ये फैसला लिया गया है। Y श्रेणी से लेकर Z+ सुरक्षा वाले नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट्स दी जाएंगी। गौरतलब है कि इस लिस्ट में संगीत सोम और सुरेश राणा को भी शामिल किया गया है और उन्हें बुलेटप्रूफ जैकेट के रूप में सुरक्षा कवच दिया जाएगा। मंत्री-विधायकों के अलावा दूसरे प्रमुख नेताओं को भी बुलेटप्रूफ जैकेट देने की व्यवस्था है।

इनपुट के आधार पर सुरक्षा को लेकर योगी सरकार का बड़ा कदम

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार का ये बड़ा एहतियाती कदम है। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट देने की वजह पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। माना जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों के मौजूबा सुरक्षा आकलन और इनपुट के आधार पर ही इस कदम को लिया गया है। खासतौर से जिन सियासी नेताओं को पहले से सिव्योरिटी मिली हुई है, उनकी सिव्योरिटी को लेकर अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है।

आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से संचालित की जाएं चीनी मिलें

चीनी की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त, 400 टन से अधिक स्टॉक पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज़►►लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वासित किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है, इसलिए आम नागरिक कतई परेशान न हों। प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। चीनी मिलों ने दो महीने (जून-जुलाई) में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है।

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलें 15 अक्टूबर से संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल (कुल 179.38 लाख कुंतल) चीनी प्रदेश में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जून व जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए। सीएम योगी ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी बताकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी की कालाबाजारी और भ्रम फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने भारत सरकार के निर्देश के क्रम में कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक चीनी स्टॉक का भंडारण नहीं करेगा और वे एक समय में 400 टन से ज्यादा स्टॉक भी नहीं रख सकते।

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में चीनी की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापारियों को 30 दिन से अधिक चीनी का भंडारण न करने और 400 टन से अधिक स्टॉक रखने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं...

खास बातें

■ व्यापारी 30 दिन से अधिक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेंगे

■ भ्रम फैलाने व कालाबाजारी करने वालों पर करें कार्रवाई

48 लाख किसानों को किया गया 32,554 करोड़ का भुगतान

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए 28.14 लाख हेक्टेयर गन्ना क्षेत्रफल संभावित है। इससे 90 लाख टन चीनी उत्पादन की संभावना है। उत्तर प्रदेश में प्रतिमाह अनुमानित चीनी खपत लगभग 4 लाख टन है। पेराई सत्र 2025-26 में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी किया गया है। उल्लेखनीय है कि त्योहारी सीजन से पहले देश में चीनी की कीमतें बेलगाम हो गई हैं। पिछले एक महीने में चीनी की कीमत खुदरा बाजार में 48.18 रुपये से बढ़कर 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। यानी एक किलो पर लगभग 17 रुपये की बढ़ोतरी। यही नहीं, खुदरा बाजार में कुछ जगहों पर तो यह अभी 70 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इससे चिंतित सरकार कीमतों पर नियंत्रण के लिए तीन स्तरों पर काम कर रही है।

सीएम का निर्देश-मौतिक सत्यापन कराएं जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का मौक्तिक सत्यापन कराते हुए उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त करें। बिधार्ति सीमा से अधिक स्टॉक धारित करने अथवा जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई की जाए। जनपद में चीनी की उपलब्धता एवं मूल्य पर सतत निगरानी रखते हुए किसी भी प्रकार की कुठिम कमी अथवा मूल्यवृद्धि की स्थिति में तत्काल शासन को अवगत कराएं।

पेज एक का शेष

संगठन को और मजबूत ...

महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि बृथ लेवल पर लोगों से मजबूत संवाद हो। पार्टी की विचारधारा और भाजपा की केंद्र और राज्यों सरकारों की जनकल्याण योजनाओं के बारे में लोगों को लगातार बताया जाता रहे।

पदाधिकारी संयम और अनुशासन बनाएं : बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों से कहा गया कि सरकारी योजनाओं और उनके लाभ की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि जरूरतमंदों को योजनाओं का फायदा मिल सके। भाजपा पदाधिकारियों को सार्वजनिक जीवन में संयम और अनुशासन बनाए रखने की भी नसीहत दी गई। बैठक में कहा गया कि पार्टी के पदाधिकारियों का आचरण और व्यवहार संगठन की छवि से जुड़ा होता है, इसलिए उन्हें अपने व्यवहार में अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

तथ्यों के आधार पर विपक्ष को जवाब दें : राजनीतिक मुद्दों पर विपक्ष के हमलों का जवाब तथ्यों के आधार पर देने को कहा गया। पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राजनीतिक मुद्दों पर प्रभावी तरीके से पार्टी का पक्ष जनता के सामने रखा जाए। बैठक में भाजपा के नए और पिछली टीम में रहे पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा प्रवक्ता संवित पात्रा ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम की घोषणा के पश्चात पहली पदाधिकारी बैठक प्रातः भाजपा मुख्यालय में संपन्न हुई है। बैठक में पहला प्रस्ताव भारत के गौरव, वंदे मातरम् के महामंत्र के सम्मान में पारित हुआ है। हिंदुस्तान के कोने-कोने में वंदे मातरम के प्रति सम्मान, भाव और उसके प्रति एक भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिल रहा है।

पीएम मोदी के ...

देश भर में सेवा पखवाड़ा मनाती है। मोदी जी का व्यक्तित्व ऐसा है कि वे हर पल सेवा में लगे रहते हैं। स्वाभाविक रूप से पिछले कुछ वर्षों से भाजपा सेवा पखवाड़ा मना रही है। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को रॉडर मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस साल 7 अक्टूबर को उस ऐतिहासिक अवसर के 25 साल पूरे हो जाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने सेवा पखवाड़ा के साथ साथ एक महीने का सेवा संकल्प अभियान चलाने का फैसला किया है। पार्टी इस

चाहिए। आप किसी पर आश्रित नहीं।

राष्ट्रपति मुर्मू के हाथों ...

प्रदान किया जाएगा। इनमें शासकीय महात्मा गांधी सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भेल (भोपाल) की शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला और शासकीय माध्यमिक विद्यालय कंजवार (सीधी) के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह शामिल हैं।

अन्य राज्यों की ये रहेगी भागीदारी: पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अन्य राज्यों में उत्तर-प्रदेश के 3, पश्चिम-बंगाल के 2, राजस्थान के 2, महाराष्ट्र के 2, बिहार के 2, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के 1, आंध्र-प्रदेश के 1, अरुणाचल प्रदेश के 1, असम के 1, चंडीगढ़ से 1, दादरा नगर हवेली-दमन दीव से 1, गोवा के 1, गुजरात के 1, हिमाचल प्रदेश के 1, जम्मू-कश्मीर के 1, झारखंड के 1, कर्नाटक के 1, केरल के 1, लद्दाख के 1 शिक्षक शामिल हैं। जबकि मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुच्चेरी, पंजाब के भी क्रमशः इसी समान संख्या के साथ 1-1 शिक्षक को राष्ट्रपति सम्मानित करेंगे। इसके अलावा सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा से भी क्रमशः 1-1 शिक्षक को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

5 सितंबर को यूं मनाते शिक्षक दिवस ? : गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार को हर साल 5 सितंबर को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रदान किया जाता है। यह दिन देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 5 सितंबर को मनाए जाने वाले जन्मदिन और देश तथा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान को पूरी तरह से समर्पित है। पुरस्कार के रूप में सम्मानित किए जाने वाले शिक्षकों को कुछ नकद धनराशि और एक रजत पदक दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष इसमें बदलाव संचय है। इस बार केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह का आयोजन नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी।

22 हजार लगा, हफ्ते ...

से तैयार किया हुआ बताया है। फैक्ट चेक यूनिट ने लोगों को आगाह किया है कि असामान्य रूप से अधिक और निश्चित रिटर्न का लालच देने वाले ऐसे ऑनलाइन निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। पीआईबी ने नागरिकों से किसी भी निवेश से पहले संबंधित दावे की पुष्टि केवल अधिकृत और आधिकारिक स्रोतों से करने तथा संदिग्ध

लिंग पर क्लिक करने या अपनी निजी एवं वित्तीय जानकारी साझा करने से बचने की अपील की है।

एआई डीपफेक के जरिए भरोसा जीतने की कोशिश: यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि ठगों ने कथित तौर पर एआई तकनीक और डिजिटल हेरफेर के जरिए एक जानी-पहचानी सार्वजनिक हस्ती के वीडियो को इस तरह तैयार किया कि वह वास्तविक नजर आए। इससे आम लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की जाती है कि निवेश योजना की स्वयं वित्त मंत्री या सरकार की मंजूरी प्राप्त है।

दावों का सरकार या वित्त मंत्री से संबंध नहीं: ऐसे ही फर्जी वीडियो पहले भी सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं, जिनमें सीतारामण के नाम पर अलग-अलग रकम निवेश कर लाखों रुपये मासिक या साप्ताहिक कमाई का झांसा दिया गया। पीआईबी ने लगातार स्पष्ट किया है कि इन दावों का सरकार या वित्त मंत्री से कोई संबंध नहीं है। सरकार की सलाह है कि 'कम निवेश, असाधारण और गारंटीड मुनाफा' जैसे दावों को लालच नहीं बल्कि संभावित धोखाधड़ी का संकेत मानें। संदिग्ध सामग्री मिलने पर उसे आगे साझा करने के बजाय संबंधित सरकारी फैक्ट-चेक माध्यम को रिपोर्ट करना चाहिए।

पीआईबी ने किया...

जबकि न तो वित्त मंत्री और न ही भारत सरकार ने ऐसी किसी निवेश योजना या प्लेटफॉर्म का समर्थन किया है।

टीवी चैनलों के लिए 12 ...

एवं प्रसारण मंत्रालय के मुताबिक, टीवी प्रसारण क्षेत्र में पिछले करीब दो दशकों में व्यापक बदलाव हुए हैं। इन्हीं बदलावों को देखते हुए विज्ञापन प्रसारण की अवधि से जकड़ते मौजूदा प्रावधानों की समीक्षा की जरूरत महसूस की गई थी।

2006 में लागू हुई थी 12 मिनट की सीमा: टेलीविजन पर विज्ञापन अवधि की सीमा 2006 में केबल टेलीविजन नेटवर्क्स रूलस, 1994 के तहत लागू की गई थी। उस समय देश में महज 62 टीवी चैनल थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 900 से अधिक हो चुकी है। 2006 में केबल टीवी ही टीवी चैनलों को दशकों तक पहुंचाने का प्रमुख माध्यम था और इसकी तकनीक एनालॉग थी। सीमित कैरिज क्षमता के कारण दर्शकों के पास चैनलों के विकल्प भी सीमित थे। इसके बाद देश में केबल टीवी का पूरी तरह डिजिटलीकरण हुआ। अब डीटीएच, डिजिटल केबल टीवी, हिट्स और

आईपीटीवी समेत सभी प्रमुख टीवी वितरण प्लेटफॉर्म डिजिटल हो चुके हैं। इन प्लेटफॉर्म पर वर्तमान में 300 से 500 या उससे अधिक चैनल उपलब्ध हैं। मंत्रालय के अनुसार, तकनीकी बदलाव और दर्शकों के लिए बढ़े विकल्पों ने टीवी प्रसारण क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। ऐसे में वर्ष 2006 में लागू की गई विज्ञापन अवधि की सीमा को मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप बनाए रखना उचित नहीं था। नई व्यवस्था से टीवी चैनलों को अपनी विज्ञापन रणनीति तय करने में अधिक लचीलापन मिलेगा, जबकि सरकार का तर्क है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा दर्शकों और प्रसारण उद्योग के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करेगी।

डिजिटल मीडिया...

प्लेटफॉर्म के बीच प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उपलब्ध नहीं था। सरकार का मानना है कि टीवी उद्योग के भीतर और टीवी तथा डिजिटल मीडिया के बीच अब पर्याप्त प्रतिस्पर्धा मौजूद है। इसलिए विज्ञापन अवधि पर लगी पुरानी सीमा को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई थी।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों...

को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जहां वे स्थानीय संसाधनों और वैश्विक बाजारों दोनों का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि मग्न आपके निवेश, आपके उद्योग और आपके सपनों के लिए तैयार है। आइए, मग्न के साथ मिलकर औद्योगिक विकास, रोजगार और समृद्धि के नए अध्याय का निर्माण करें।

ग्रीन मैनुफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में प्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मग्न ग्रीन मैनुफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में सौर एवं पवन ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं का उपयोग करते हुए स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्याप्त और स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को नई गति देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं, संस्थागत सुधार और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है। निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सरकार निरंतर प्रक्रियाओं को सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि निवेशक मध्यप्रदेश को केवल एक निवेश स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अपने विकास के दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखें।

बिहार में गंगा-गंडक का रौद्र रूप

पटना से भागलपुर तक अलर्ट बगहा शहर पर कटाव का खतरा

एजेसी►►पटना

बिहार में गंगा नदी उफान पर है। पटना से भागलपुर तक गंगा में उफान से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। दियारा इलाके में पानी बढ़ जाने से लोग बाहर निकल रहे हैं तो गांधी घाट समेत कई घाटों को खतरनाक घोषित कर दिया गया है। उधर चंपारण में गंडक नदी तबाही का सबब बनती दिख रही है। बगहा शहर पर कटाव का खतरा मंडराने लगा है। सुल्तानगंज में गंगा नदी लाल निशान से काफी ऊपर बह रही है जिससे श्रावणी मेला पर संकट उत्पन्न हो गया है।

बक्सर में रामरेखा घाट पर जलस्तर खतरनाक हो जाने से स्नान और जलबोझी करने वालों पर निरगानी रखी जा रही है। राजधानी पटना में दियारा के निचले इलाके में पानी घुस गया है। जलस्तर लगातार बढ़ने से मनेर, दानापुर और बखितयारपुर प्रखंड के दियारा क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। मनेर के हल्दीछपरा से छितनवां तक जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा के दक्षिणी इलाके में हजारों एकड़ खेतों में पानी फैल चुका है। हालांकि उसी दियारा को मनेर से जोड़ने वाली मुख्य सड़कों पर पानी नहीं चढ़ा है।

द्वानापुर में पुरानी पानापुर के पास कटाव शुरू

द्वानापुर दियारा के निचले इलाके से गंगा का पानी प्रवेश करने लगा है। पांच पंचासत पुरानी पानापुर, कासिमचक, हेतनपुर, मानस और नवदियारी में सीता के जरिए गंगा का पानी दियारा में आने लगा है। इससे जहाज और नाव पकड़ने के लिए घाट पर आने-जाने में परेशानी होने लगी है। देवगिया नाला के गंगा खतरे के निशान से एक मीटर नीचे बह रही है।

पुनपुन जलस्तर खतरे के निशान के करीब

झारखंड में लगातार बारिश से पुनपुन समेत क्षेत्र की अन्य नदियों पर दिखने लगा है। पुनपुन का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पुनपुन अह खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। वहीं, जहानाबाद से सटे धनरुआ क्षेत्र में कररुआ नदी के जलस्तर में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

तीन पुलिसकर्मियों ने रेस्क्यू कर बचाई जान

गंगा में डूब रहे 50 वर्षीय व्यक्ति के लिए देवदूत बनी यूपी पुलिस

एसएसपी ने किया पुरस्कृत करने का ऐलान

रेस्क्यू का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हरिभूमि न्यूज़►►मुजफ्फरनगर

गंगा के तेज बहाव में डूब रहे 50 वर्षीय व्यक्ति के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस देवदूत बनकर सामने आईं। पारिवारिक कलह के चलते चांदपुर, विजनौर निवासी भूरा सिंह ने गंगा में छलांग लगा दी। तेज बहाव में बहते हुए वह करीब तीन किलोमीटर दूर निकल गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान सिपाही राजकुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना गंगा में छलांग लगा दी। सब इम्पेक्टर जगेंद्र सिंह हिल्लो और सिपाही कपिल ने रस्सी की मदद से उनका साथ दिया। तीनों पुलिसकर्मी साथ बहाव के बीच करीब तीन किलोमीटर तक पहुंचे और भूरा सिंह को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस पूरे रेस्क्यू का वीडियो मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिसकर्मियों की बहादुरी और तत्परता की लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। रेस्क्यू के बाद पुलिस ने भूरा सिंह के परिजनों से संपर्क किया और उन्हें सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने की अगवानी

जापान का दल पहुंचा काशी, सारनाथ और गंगा आरती का लिया आनंद

हरिभूमि न्यूज़►►वाराणसी

उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया जापान के यामानासी प्रांत के महापौर के नेतृत्व वाला 100 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर वाराणसी पहुंचा। प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह प्रतिनिधिमंडल के साथ काशी पहुंचे। वाराणसी हवाईअड्डे पर जापानी मेहमानों का स्वागत किया गया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल होटल पहुंचा और विश्राम के बाद भगवान बुद्ध की तपोस्थली सारनाथ के भ्रमण के लिए रवाना हुआ।

बनारसी रेशमी साड़ियों से परिचय कराया

शाम को प्रतिनिधिमंडल ने नमो घाट पहुंचकर नौका से गंगा आरती का दर्शन किया। इस दौरान मेहमानों को काशी की पारंपरिक हस्तशिल्प कला, भौगोलिक संकेतक प्राप्त उत्पादों और एक जिला एक उत्पाद योजना की जानकारी भी दी गई। रात्रिभोज के दौरान गुलाबी मीनाकारी, पथर की नक्काशी, लकड़ी के छिल्लो और बनारसी रेशमी साड़ियों से परिचय कराया गया। लोकनाट्य और वाद्य संगीत की प्रस्तुतियां भी की गईं।

आपसी संवाद का बदलता मिजाज खो ना जाए रिश्तों की मिठास



कवर स्टोरी
रशीधरा भटनागर

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, मनुष्य के भीतर से दूसरे मनुष्य तक जाने वाली वह महीन डोर है, जिसमें समय, संस्कार, स्मृतियाँ और संबंध एक साथ बंधे रहते हैं। किसी समाज की भाषा को सुनकर उसके समय की धड़कन पहचानी जा सकती है। शब्द बदलते हैं तो केवल शब्द नहीं बदलते, उनके साथ हमारे व्यवहार, हमारी निकटताएँ और कभी-कभी हमारी संवेदनाएँ भी अपना रूप बदल लेती हैं।

भाषा में होता था माधुर्य

एक समय था, जब मोहल्ला एक परिवार जैसा होता था और मोहल्ले की अपनी एक लोकभाषा हुआ करती थी। वह किसी व्याकरण की पुस्तक में नहीं मिलती थी, फिर भी उसमें जीवन का पूरा व्याकरण समाया होता था। पड़ोस की चाची, गली के काका, सामने वाले घर की दादी, दूध वाले भैया, डाकिया चाचा। रक्त-संबंध न होते हुए भी भाषा ने सबको रिश्तों में बांध रखा था। किसी के घर से पकवान निकला तो कटोरी पड़ोस में पहुँची। किसी के यहां कोई दुःख-परेशानी आई तो अगले दरवाजे से आवाज आती, 'कुछ चाहिए तो बताना।' किसी बुजुर्ग को देखते ही बच्चे का स्वर अपने आप नीचे हो जाता था। 'आप', 'आइए', 'बैठिए', 'खाइए', 'कैसे हैं?... ' ये केवल शब्द नहीं बल्कि बुझने के अस्तित्व को स्वीकार करने के संस्कार हुआ करते थे। मोहल्ले की उस भाषा में एक सहज माधुर्य था। उसमें आत्मीयता थी, पर आत्मीयता की भी एक मर्यादा थी। मजाक था, मगर अपमान नहीं। असहमति थी,

मगर संबोधन में सम्मान बचा रहता था। आज मोहल्ले सिकुड़कर अपार्टमेंट हो गए हैं और चौपाल स्क्रीन पर चली गई है। पड़ोसी का चेहरा कई बार वर्षों तक दिखाई नहीं देता, जबकि दूर देश में रहने वाला कोई डिजिटल मित्र प्रतिदिन बातचीत का हिस्सा बना रहता है। भाषा भी उसी के साथ बदल गई है।

नई पीढ़ी की बेलाग भाषा

आज जब हम नई पीढ़ी की भाषा की बात करते हैं, तो चर्चा केवल 'हाय', 'हेलो' 'ओके', 'कूल' 'ब्रो' या डिजिटल संक्षिप्तियों तक सीमित नहीं रह सकती है। इस भाषा का एक दूसरा, अधिक चिंताजनक पक्ष है बातचीत में बढ़ती बेलाग अशिष्टता, गाली-गलौज और अपशब्दों का सहज इस्तेमाल। लेकिन इसे केवल 'आज के बच्चों के संस्कार खराब हैं' कहकर समझ लेना समस्या को बहुत छोटा कर देना होगा। आज युवाओं की



बातचीत में अपशब्दों का इस्तेमाल कई संदर्भों में सामान्य होता दिखाई देता है। शोध यह संकेत देते हैं कि युवाओं में अपशब्दों का प्रयोग केवल 'असंस्कारी' होने का परिणाम नहीं होता। कभी यह भावनाओं को तीव्रता से व्यक्त करने, कभी समूह में स्वीकार्यता पाने और कभी अपनी बात

घर-परिवार हो, पड़ोसी, मित्र-मंडली, सहकर्मी हों या रिश्तेदार, सभी से संबंध, हमारे बातचीत के तरीके और शब्दों पर निर्भर करते हैं। समय के साथ शब्द, संबोधन, भाषा की चाल बदलना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा से यदि सम्मान और मर्यादा का भाव कम होने लगे तो रिश्तों की ऊष्मा, उसकी मिठास खोने का डर मंडराने लगता है। ऐसे में हम सभी को सजग होने की जरूरत है।



को अधिक प्रभावशाली बनाने का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात खुलकर रखने के बहुत अधिक अवसर दिए हैं और इसके साथ अशिष्ट भाषा की दुर्यता भी बढ़ी है। यानी समस्या केवल शब्दों की नहीं, शब्दों के सामान्य हो जाने की है। दरअसल, जब किसी शब्द को बार-बार सुना जाता है, तो उसका चौंकाने वाला प्रभाव कम होने लगता है। जो कल असभ्य माना जाता था, वह आज मजाक का हिस्सा बन जाता है। और जो मजाक में कहा गया था, वह धीरे-धीरे रोजमर्रा की भाषा में प्रवेश कर जाता है।

समझना होगा महत्वपूर्ण अंतर

हर अपशब्द हिंसा नहीं है और हर अपशब्द किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं बोला जाता। भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लोग कभी-कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भावनात्मक तीव्रता, तनाव या आश्चर्य व्यक्त करने के लिए करते हैं। लेकिन किसी की



गरिमा को चोट पहुंचाने वाली गाली और मित्रों के बीच भावनात्मक विस्मय व्यक्त करने वाला अपशब्द एक ही बात नहीं हैं। यहीं भाषा की नैतिकता का प्रश्न खड़ा होता है। आखिर यह भाषा आई कहां से? इस बदलाव के पीछे कई परतें हैं।

डिजिटल दुनिया: सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, छोटे वीडियो और मीम संस्कृति में तीखी, उत्तेजक और चौंकाने वाली भाषा अकसर मनोरंजन का हिस्सा बन जाती है।

साधियों का प्रभाव: किशोरावस्था में समूह से जुड़ना बहुत महत्वपूर्ण होता है। कोई शब्द मित्र-मंडली में सामान्य है तो उसे न बोलना कई बार 'अलग' दिखाई देना हो सकता है। इसलिए युवा भाषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

घर की भाषा: हम अकसर बच्चों की भाषा पर अंगुली उठाते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि भाषा सीखने की पहली पाठशाला घर है। यदि घर में क्रोध का पहला उतर गाली है, तो बच्चे के लिए गाली केवल निषिद्ध नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

संवाद का घटता धैर्य: जब बातचीत छोटी होती जाती है, तो भाव व्यक्त करने के लिए शब्दों की जगह तीव्र शब्द लेने लगते हैं। इन सभी कारणों को समझने के बाद विकृत होती भाषा के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषा का यह परिवर्तन केवल युवाओं ने पैदा नहीं किया है। उन्हें यह भाषा समाज ने दी है।

भाषा में बनी रहे मधुरता-मर्यादा

हमें पुरानी भाषा को हूबहू वापस लाने की आवश्यकता नहीं है। नई पीढ़ी को अपनी भाषा होगी ही। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ माधुर्य भी रहे और बेबाकी के साथ मर्यादा भी। प्रश्न शब्द का नहीं, उसके पीछे मौजूद मन का है। हम न भूलें कि शब्दों में अद्भुत शक्ति होती है। वे रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं तो हमेशा के लिए खटास भी भर सकते हैं। *

मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाएं भाई-बहन का भावनात्मक संबल

हर परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा और प्यारा होता है। उम्र के हर दौर में भाई-बहन का एक-दूसरे को दिया जाने वाला भावनात्मक संबल, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इस बारे में आप विस्तार से जरूर जानना चाहेंगे।

पॉजिटिव इफेक्ट नैसी गुप्ता

बदली जीवनशैली, बढ़ता काम का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना और अकेलेपन की भावना आज मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण बन चुके हैं। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक सहयोग, हर व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अलग और प्यारा होता है, क्योंकि यह केवल बचपन की यादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा, भरोसा और अपनापन भी देता है। भाई-बहन का रिश्ता दोनों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भावनात्मक सुरक्षा: बचपन के बाद टीनएज, यंगएज और मिडएज में भाई-बहन दोस्त जैसे हो जाते हैं, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं साझा कर लेते हैं। जब जीवन में तनाव, असफलता या किसी तरह की परेशानी आती है, तो भरोसेमंद भाई या बहन का साथ मानसिक बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। यह भावनात्मक सुरक्षा, चिंता और अकेलेपन की भावना को घटाने में मदद करती है। **तनाव होता है कम:** मानसिक तनाव के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना काफी राहत देता है। भाई-बहन एक-दूसरे की परिस्थितियों, स्वभाव और पारिवारिक पृष्ठभूमि को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए वे बिना जज किए सुनते हैं और व्यावहारिक सलाह भी देते हैं। यह सहयोग तनाव से बाहर निकलने में सहायक हो सकता है।

अकेलापन महसूस हो कम: आज के समय में अनेक युवक-युवतियां, परिवार से दूर रहकर पढ़ाई



या नौकरी करते हैं। ऐसे में अकेलेपन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में यदि भाई-बहन के साथ नियमित बातचीत होती रहे, तो दूरी के बावजूद भावनात्मक जुड़ाव कायम रहता है। फोन कॉल, वीडियो कॉल या संदेश भी मानसिक सुकून देने का काम करते हैं। **बढ़ता है आत्मविश्वास:** हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे पल आते हैं जब उसे अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। ऐसे समय में भाई या बहन का प्रोत्साहन आत्मविश्वास को दोबारा मजबूत कर सकता है। बचपन से एक-दूसरे की खूबियाँ और कमजोरियों को जानने के कारण, उनका उत्साहवर्धन अधिक प्रभावी महसूस होता है।

कठिन समय में सहारा: मानसिक स्वास्थ्य केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है। बीमारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक संकट के समय भाई-बहन, भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ व्यावहारिक

मदद भी करते हैं। जिम्मेदारियां बांटना, निर्णय लेने में साथ देना और समस्याओं का समाधान ढूंढना मानसिक दबाव को कम करने में मदद करता है। **मिलती है सकारात्मक ऊर्जा:** बचपन की सुखद यादें मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। भाई-बहन के साथ बिताए गए खेल, त्योहार, शरारतें और पारिवारिक अनुभव कठिन समय में भी व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराते हैं। कहा जा सकता है कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन भर साथ रहने वाला भावनात्मक सहारा भी है। बदलते समय में जब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब यह रिश्ता हमें अपनापन और आत्मविश्वास देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। * (क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट निर्मल वर्मा से बातचीत पर आधारित)

रिश्ता बनाए रखें मजबूत

भाई-बहन के बीच केवल रिश्ता होना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि मजबूती बनाए रखने के लिए उसे समय देना भी जरूरी है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद नियमित बातचीत करें, एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करें, मतभेद होने पर संवाद बनाए रखें और छोटी-छोटी बातों को लंबे समय तक मन में न रखें। स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके साथ ही रक्षाबंधन, जन्मदिन या परिवार के छोटे-छोटे समारोह, भाई-बहन को फिर से करीब लाने का अवसर देते हैं। ऐसे अवसरों को मिस न करें। इस दौरान साथ समय बिताना, पुरानी यादें साझा करना, उत्साह के पल बिताना और एक-दूसरे का हाल-चाल जानना भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। कई परिवारों में भाई-बहनों के बीच तुलना की जाती है, जिससे तनाव, ईर्ष्या और आत्मसमझान से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके बजाय एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना और शुभिकल समय में सहयोग देना रिश्ते को अधिक सकारात्मक बनाता है। भाई-बहन के बीच स्वस्थ संबंध मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक होते हैं।



गजल
ओम निरचल

राखी आ गई

फिर उमड़ आई बहन की याद राखी आ गई
फिर से पकवानों में आया स्वाद राखी आ गई

थाल में कुमकुम और रोली सज गई
हृदय में उठ रहा है आह्लाद राखी आ गई

गुनगुनाने-सा लगा है फिर ये घर
फिर हुआ है मायका आबाद राखी आ गई

चैनलों पर गीत गाए जा रहे
छंट गया है जेलन से श्रवसाद राखी आ गई

बंध गई हैं राखियां फिर हाथ में
बहन-भाई कर रहे संवाद राखी आ गई

एक धागे में जो चाहे बांध लो
भाईघरे का यही मरजाद राखी आ गई

लघुकथाएं

शदी के कुछ दिन बाद ही विदेश जा बसी वह ने, सुबह-सुबह फोन की घंटी बजते ही अनमने मन से अपनी सास का कॉल रिसीव किया, बोली, 'प्रणाम मां जी, कैसी हैं आप?' सासू मां बोलीं, 'अरे बहू, रक्षाबंधन पर अपने भाई की राखी भेजना मत भूलना। शदी के बाद पहली राखी है, तुम्हारे घर पर सब इंतजार करेगे।' 'जी मां जी, भेज दूंगी, आप चिंता ना करें।' उसने सधी-सपाट आवाज में जवाब दिया और फोन रखते ही सोचने लगी, 'फोन, चैट, वाट्सएप सब तो चलता ही रहता है, मैं कौन-सी भाई से साल में एक बार मिलती हूं? इस साल ही तो दूर आई हूं। राखी भेजने की औपचारिकता करना ही क्या जरूरी है?' बाद में वह घर-ऑफिस के कामों में ऐसा उलझी कि यह भूल ही गई रक्षाबंधन है कब? रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह भाई ने अपनी कलाई पर सजी सुंदर राखी की फोटो भेजी और एक प्यारा-सा संदेश भी। 'कितना खुश हूं मैं कि वहां जाकर भी तुम्हें राखी का त्योहार याद रहा, अपने भाई के लिए स्नेह की डोर भेजना न भूलो। देख तो दूर रहकर भी हमारे बीच कभी दूरियां नहीं आएंगी। यह रेशमी धागा हमें हमेशा बांधे रखेगा।' फिर फोन पर बात हुई तो भाई-बहन दोनों का गला रुंध गया। आंखों में नमी लिए खुशी से कांपते हाथों से उसने सासू मां को फोन लगाया तो उन्होंने

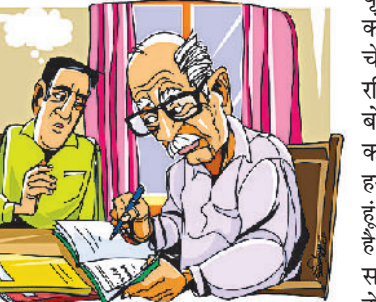
वृद्धाश्रम में रहने वाले एक बुजुर्ग रोज सुबह सबसे पहले वहां का उपस्थिति रजिस्टर खोलते और कांपते हाथों से अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करते थे। एक दिन वहां मौजूद एक स्वयंसेवक ने उत्सुकता से पूछा, 'अंकलजी, यहां तो कोई रोज जांच भी नहीं करता, फिर आप हर दिन रजिस्टर में हस्ताक्षर क्यों करते हैं?' बुजुर्ग हल्का-सा मुस्कुराए और बोले, 'आदत है बेटा बरसों पुरानी आदत।' कुछ पल चुप रहने के बाद उनकी आंखें कहीं दूर टिक गईं, फिर भी स्वर में बोले, 'पूरी जिंदगी बैंक के कागजों पर, जमीन के दस्तावेजों पर, मकान के रजिस्ट्री पेपर्स पर, न जाने कितनी बार हस्ताक्षर करता प्रा। हर हस्ताक्षर किसी न किसी जिम्मेदारी या अधिकार का प्रतीक था। लेकिन जिस दिन आखिरी

कच्ची डोर



चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?' 'जी मां जी, पर...' वह आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' *

हस्ताक्षर



बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। *

—कृति आर.के. जैन

कच्ची डोर

मकान भी बेटे के नाम कर दिया, उसी दिन मेरे नाम का कमरा बदल गया और मैं इस वृद्धाश्रम में आ गया।' स्वयंसेवक के पास कोई शब्द नहीं बचे। वह केवल बुजुर्ग के चेहरे को देखता रह गया। बुजुर्ग ने धीरे से रजिस्टर बंद किया, गहरी सांस ली और बोले, 'अब यहां रोज इसलिए हस्ताक्षर करता हूं, ताकि कम से कम एक जगह तो हर दिन यह दर्ज होता रहे कि मैं अभी जिंदा हूं, मेरा अस्तित्व अभी पूरी तरह मिटा नहीं है।' यह सुनते ही रजिस्टर का वह साधारण-सा पन्ना अचानक बहुत भारी हो गया। उस दिन स्वयंसेवक ने पहली बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। *

समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

—कृति आर.के. जैन

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

करुणा की शक्ति

वर्तमान समय का सबसे ज्वलंत सवाल यह है कि युद्ध, हिंसा, गैरबराबरी, अन्याय, शोषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान क्या हो सकता है? इस सवाल का मुकम्मल जवाब है नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी की किताब 'करुणा-समाधान की शक्ति'। आज हमारी सभ्यता जितनी तेजी से विकास के नए आयाम गढ़ रही है, उतनी ही तेजी से चुनौतियों के दलदल में फंसती भी जा रही है। मनुष्य तकनीकी रूप से जितना सक्षम हो रहा है, सामाजिक रूप से उतना ही विपन्न भी होता जा रहा है। यहाँ तक कि अपने आप से भी उसका संबंध



समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

—कृति आर.के. जैन

देश के कोने-कोने का भरोसा

2 करोड़+ मुह्राए

आपके गैरदीर्घी सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
Availability: www.mymushroomworld.com
Amazon Fulfilled

वज़न बढ़ाने में सहायक

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

10 दिनों में असर देखें

क्योंकि वज़न है, तो वज़नदारी है!

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd. For Trade Enquiry - +91 888 922 3333

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में टीकमगढ़ में किया शिकायतकर्ताओं से संवाद

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जन विश्वास अभियान के तहत टीकमगढ़ में सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर तत्काल उनका निराकरण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला पंजीयक सहकारिता एसके कौशिक को निलंबित करने के निर्देश दिए। दयाराम लोधी की मां स्व. रानीबाई की मृत्यु होने पर सहकारी बैंक की मर्बई शाखा ने नॉमिनी के खाते में राशि अंतरित नहीं किए जाने की शिकायत पर उक्त कार्रवाई की गई।



जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते मुख्यमंत्री ।

सभी विभागीय अधिकारी फील्ड भ्रमण कर योजना का जायजा लें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी सतत रूप से फील्ड भ्रमण कर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लें। स्थानीय स्तर पर जनता की शिकायतों का समय सीमा में प्रभावी निराकरण किया जाए। क्षेत्र विशेष में मिलने वाली शिकायतों का भी समुचित निराकरण सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिकायतकर्ता महेश प्रसाद लोधी, कमलेश नामुनिया, दयाराम लोधी, कालीचरण सिंह राजपूत और हरियाम विश्वकर्मा से संवाद किया और उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई

सीएम ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई होगी, जबकि उत्कृष्ट कार्य पर सम्मानित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मौके पर जिले में विभिन्न शासकीय उचित मूल्य दुकानों के वास्तविक स्थान पर संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई पर भी चर्चा हुई। बैठक में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, विधायक जतारा हरिश्चंकर खटीक सहित मुख्य सचिव अशोक बणवाल, सचिव सीएम डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह सहित कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय भी मौजूद थे।

टीकमगढ़ में सीएम ने उद्यमियों से किया संवाद, होम स्टे, होटल और इंडस्ट्रियल पार्क बनाएं, सब्सिडी का लाभ उठाएं

प्रदेश में उद्यमियों के व्यापार-उद्योगों को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार की प्राथमिकता: सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

खास बातें

- उद्यमियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएगी सरकार
- कनेक्टिविटी बेहतर होने से अन्य प्रदेशों से भी जुड़ सकेंगे झांसी, जतारा, टीकमगढ़



उद्यमियों से संवाद करते सीएम ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा सरकार औद्योगिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। टीकमगढ़ जिले में औद्योगिक विकास के लिए संसाधनों की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अवसर में बदलने की है। उन्होंने कहा स्थानीय उद्यमियों के व्यापार और उद्योगों को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव आज टीकमगढ़ में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार औद्योगिक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अधोसंरचना विकास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा झांसी, जतारा, टीकमगढ़ कनेक्टिविटी बेहतर होने से अन्य प्रदेशों से भी जुड़ सकेगा। होटल, होमस्टे बनाएं, इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित करें, राज्य सरकार इसके लिए सब्सिडी भी प्रदान कर रही है। इसका लाभ जरूर उठाएं। उन्होंने कहा जिले में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, महाकाल लोक की तर्ज पर कुंडेश्वर धाम का विकास कराया जाएगा।

►► कुंडेश्वर के आसपास होमस्टे बनाएं, इससे जहां तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारियों की टीम यहां शीघ्र भेजी जाएगी। कुंडेश्वर के आसपास होमस्टे बनाएं, इससे जहां तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी, वहीं लोग लोगों को आय का जरिया मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ जिले के धरमपुर की प्रसिद्ध पारंपरिक बेल मेटल पीतल शिल्प कला के संबंध में एक करोड़ 99 लाख की योजना प्रस्तावित होने की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा टीकमगढ़ की पारंपरिक बेल मेटल शिल्प कला को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि आधुनिक अधोसंरचना, कारीगर संशुक्तिकरण रोजगार और बाजार विस्तार से जोड़े। ज्ञातव्य है कि पीतल शिल्प कला की दिशा में धरमपुरा में लगभग 6.99 हैक्टर भूमि एमएसएमडी विभाग के हस्तांतरित हो चुकी है।

दो गई। उन्होंने कहा टीकमगढ़ की पारंपरिक बेल मेटल शिल्प कला को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि आधुनिक अधोसंरचना, कारीगर संशुक्तिकरण रोजगार और बाजार विस्तार से जोड़े। ज्ञातव्य है कि पीतल शिल्प कला की दिशा में धरमपुरा में लगभग 6.99 हैक्टर भूमि एमएसएमडी विभाग के हस्तांतरित हो चुकी है।

सीएम ने टीकमगढ़ में आंगनवाड़ी केंद्र, जिला अस्पताल का निरीक्षण किया



निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचने पर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों, लाड़ली बहनों और

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ में आंगनवाड़ी केंद्र तथा और जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचने पर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों, लाड़ली बहनों और

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही दीदियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सीएम यादव ने लाड़ली बहनों को भेंट स्वरूप साड़ी, श्रृंगास सामग्री और छाता देकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। सीएम डॉ. यादव ने अपने हाथों से नहीं बालिका वैष्णवी को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। इस दौरान उन्होंने तखा में जनता का अभिवादन किया और उनकी समस्याओं को सुना।

मुख्यमंत्री पीतल शिल्पकार के घर पहुंचे, पारम्परिक शिल्प कला की सराहना की

हरिभूमि न्यूज़. भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के दौरान टीकमगढ़ के प्रसिद्ध पीतल शिल्पकार लक्ष्मीनारायण सोनी के घर पहुंचे। उन्होंने पारंपरिक पीतल शिल्पकला की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर शिल्पकारों के कौशल की सराहना की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने उद्यम संवाद कार्यक्रम में जिले के उद्यमियों, निवेशकों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद कर औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा स्थानीय उद्योगों को



प्रोत्साहन देने पर विस्तार से चर्चा की। रौरैया मोहल्ला स्थित शिल्पकार के आवास पर मुख्यमंत्री ने पीतल से निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियों एवं अन्य कलात्मक उत्पादों का अवलोकन किया।

वरिष्ठ नागरिकों के दीर्घ अनुभवों से मिला है मार्गदर्शन: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस हमें अपने वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति सामाजिक दायित्वों का बोध कराता

है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि परिवार, समाज और देश के विकास में वरिष्ठ नागरिकों के दीर्घ अनुभवों और अमूल्य योगदान से भावी पीढ़ियों को मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

36 घंटे में पुलिस ने किया पर्दाफाश आईजीकेवी बीएससी द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी पेपर लीक मामले में छह आरोपी गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (IGKV) रायपुर के बीएससी द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी पेपर लीक मामले में पुलिस ने प्रोफेसर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो आरोपी फिलहाल फरार हैं। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। इस परीक्षा से करीब दो घंटे पहले पेपर वायरल होने के बाद शुरू हुई जांच में पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर पूरे नेटवर्क गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे पेपर लीक का मास्टरमाइंड दुर्गा के भारती एग्रीकल्चर कॉलेज का प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया है। आरोपी के खिलाफ थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 360/26 धारा 4, 5 एवं 10 छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 2008 और धारा 316 बीएसएस का अपराध दर्ज किया गया है। पेपर खरीदने वाले सभी आरोपी भारती एग्रीकल्चर कॉलेज दुर्गा के छात्र हैं।

के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय में ‘आरंभ 2026’ ओरिएंटेशन दिवसका भव्य आयोजन

गुरुग्राम। के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु ‘आरंभ 2026’ ओरिएंटेशन दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया, जिसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया गया और उनके शैक्षणिक सफर की शुरुआत को चिह्नित किया गया। इसका को संक्षेपित करते हुए कुलाधिपति पद्मश्री प्रो. दिनेश सिंह ने कहा कि देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) क्रांति के दौर से गुजर रहा है और विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, ज्ञान और नए अवसरों को अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रख्यात उद्गमी एवं कंटेन्ट क्रिएटर श्री अंकुर कपूर ने विद्यार्थियों से पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़ने और तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए रचनात्मक सोच, अनुकूलनशीलता और उद्यमशील मानसिकता विकसित करने का आग्रह किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार सेनी ने कहा कि छात्रों को शिक्षा के साथ साथ संस्कार एवं चरित्र निर्माण करते हुए राष्ट्र निर्माण की ओर प्रेरित किया। प्रो. सेनी ने बताया कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की भावना को लावू करने के लिए प्रतिबद्ध है और विद्यार्थियों को उत्तरतीर्ण चुनौतियों का सामना करने तथा वैश्विक परिवेश में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अग्रिम के लिए तैयार ज्ञान और कौशल प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के बिजनेस इनोव्हेटर से जुड़े स्टार्टअप्स को सम्मानित किया गया और उन्हें लैटर ऑफ इंटेंटी (LOI) प्रदान किए गए।



मुंबई में आज हैपनिंग हरियाणा 2.0 रोडशो

- प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल निवेशकों से मुख्यमंत्री करेंगे संवाद
- ईवी, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और ग्रीन एनर्जी पर निवेश का फोकस

हरिभूमि न्यूज़ ►► चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी 23 अगस्त को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राय नरबीर सिंह तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मुंबई में ‘हैपनिंग हरियाणा 2.0’ निवेश रोडशो का शुभारंभ करेंगे। दो दिवसीय दौरे का उद्देश्य हरियाणा को उत्तर भारत में संस्थागत पूंजी, उन्नत विनिर्माण

निजी पूंजी निवेशकों के साथ विशेष संवाद

मुख्यमंत्री प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल क्षेत्र के प्रमुख निवेशकों के साथ विशेष बैकफास्ट राउंडटैबल की मेजबानी करेंगे। इसमें ऐसे वैश्विक फंड मैनेजर और संस्थागत निवेशक शामिल होंगे, जिनके पास 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां हैं। इसके अलावा उद्योगपतियों, सीईओ और संस्थागत फंड प्रमुखों के साथ डिप्लिमेंट्री बैठकें भी होंगी।

और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना है। सीएम उद्योग जगत, संस्थागत निवेशकों और वैश्विक कारोबारी नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे। इनमें प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल निवेशकों के साथ विशेष राउंडटैबल भी शामिल है। राज्य सरकार का लक्ष्य निवेश की रूचि को ठोस परियोजनाओं और दीर्घकालिक साझेदारियों में बदलना है।

इन क्षेत्रों में निवेश अवसरों पर जोर

रोडशो में इलेक्ट्रिक वाहन एवं मोंबिलिटी, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फार्मास्यूटिकल्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जोडोसी) और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश अवसरों को प्रमुखता से रखा जाएगा। मुंबई में बसे हरियाणवी कारोबारी नेताओं और वैश्विक उद्यमियों के साथ भी विशेष संवाद होगा।

1.10 लाख करोड़ से अधिक निवेश के प्रस्ताव मिले

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा औद्योगिक और तकनीकी विस्तार के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। राज्य की नीतियां घरेलू और वैश्विक निवेश आकर्षित करने, परियोजनाओं में तेजी लाने और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजित करने के लिए तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि हालिया नीति घोषणाओं के दौरान 1.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रारंभिक निवेश प्रस्ताव मिलना राज्य की आर्थिक दिशा में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। यह अभियान अप्रैल 2027 में प्रस्तावित ‘हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स सॉफ्ट’ से पहले निवेशकों की रुचि को ठोस पूंजी प्रतिबद्धताओं, रणनीतिक साझेदारियों और औद्योगिक परियोजनाओं में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

खजुराहो में मुख्यमंत्री ने की केन-बेतवा लिंक परियोजना की समीक्षा

पन्ना-छतरपुर के प्रभावित गांवों के घर-घर पहुंचकर परिवारों की कठिनाइयों को समझें

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। परियोजना से क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि विकास के साथ प्रभावित और विस्थापित परिवारों के हितों का पूरा ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने पन्ना एवं छतरपुर जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित गांवों में अधिकारी घर-घर पहुंचकर परिवारों की वास्तविक स्थिति और समस्याओं को समझें। जनजातीय परिवारों की कठिनाइयों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका प्राथमिकता से निराकरण करें।

विस्थापित परिवारों को घर तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ



मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्थापित परिवारों को शासन की पात्र योजनाओं का लाभ उनके घर तक पहुंचाया जाए। जहां परिवारों ने नए स्थान पर निवास बना लिया है, वहां स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र,

सामुदायिक भवन सहित जरूरी मूलभूत सुविधाओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने पन्ना की रूझ-मझगांव परियोजना में स्वीकृत अतिरिक्त राशि का प्रभावितों को शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश दिए। जिन प्रभावितों के पास उग्र संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, उनकी आयु का निर्धारण मेडिकल परीक्षण के आधार पर करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को परियोजना की उच्च प्राथमिकता के साथ नियमित मॉनिटरिंग करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पंजाब के सीएम केवल चुटकुले सुनाकर कर रहे टाइम पास



हरिभूमि न्यूज़ ►► चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केवल चुटकुले सुनाकर अपना टाइम पास कर रहे हैं। उन्होंने भगवंत मान से पूछा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं और युवाओं से जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ? नायब सेनी शनिवार को पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में पंजाब की मातृशक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सरकार को बने करीब पांच साल होने वाले हैं और अब अगले चुनाव सिर पर हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री मंच से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि एक महीने के पैसे खाते में डालें या दो महीने के या तीन महीने के। उन्होंने कहा कि यह मजाक नहीं तो और क्या है? मुख्यमंत्री ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और रोजगार के मुद्दे पर भी भगवंत मान सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि खराब कानून-व्यवस्था के कारण उद्योग पंजाब से

बदलाव के लिए तैयार महिलाएं

नायब सेनी ने कहा कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता को गुमराह करके वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार लोग पूरी तरह जागरूक हैं। विशेषकर माताएं-बहनें बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर पंजाब में माजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब का युवा वर्ग भी अब माजपा की सरकार बनाने के पक्ष में है।

►► किरफायती डेटा, फ्री कॉलिंग और मज़बूत नेटवर्क ने किया कायाकल्प

हरियाणा में जियो के 10 साल बेमिसाल

- अगस्त 2016 से जून 2026 तक 29.2% के सीएजीआर के साथ, 82.7 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े

मुंबई। रिलायंस जियो ने अपने कर्मस्थल लॉन्च के बाद से एक दशक में, हरियाणा में, वायरलेस मोबाइल बाजार में एक बड़ी क्रांति ला दी है। जब सितंबर 2016 में जियो ने टेलीकॉम मार्केट में कदम रखा, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कुछ ही वर्षों में पूरे उद्योग का चेहरा ही बदल जाएगा। जियो 5 सितंबर को अपने दस साल पूरे करने जा रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार, अगस्त 2016 में शून्य ग्राहक आधार से शुरूआत करने वाले जियो ने हरियाणा में पहले ही महीने (सितंबर 2016) में 6.8 लाख ग्राहक जोड़ लिए थे। जून 2026 तक यह आंकड़ा 75.9 लाख की नेट एड्रीशन और 29.2 % के कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) के साथ बढ़ते हुए 82.7 लाख हो गया है। यह 29.2 % सीएजीआर पहले से मौजूद टेलीकॉम ऑपरेटरों से कहीं ज्यादा है। ट्राई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 तक, हरियाणा के 2.7 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों में से 30.6% हिस्सेदारी जियो की है।

मायावे का रिटेल डेब्यू पारंपरिक ज्वेलरी कोइस से

अलग एक नई पहचान गढ़ा

नोएडा। मायावे की पहचान पारंपरिक आभूषण बिक्री की स्थापित परंपराओं से बिल्कुल अलग है। इसके स्थान अधिक भव्य, अनुभववात्मक और सोच-समझकर तैयार किए गए हैं, जहाँ कारीगरी, बारीक विवरण और कहानी कहने की कला को पूरे अनुभव के केंद्र में रखा गया है।नोएडा में अपने नए बिक्री-केंद्र के शुभारंभ के साथ, मायावे आभूषणों की बिक्री के क्षेत्र में एक विशिष्ट आधुनिक दृष्टिकोण के साथ प्रवेश करता है, जहाँ समकालीन विलासिता, तकनीकी कारीगरी और व्यक्तिगत अनुभवों का संतुलन दिखाई देता है। इस बिक्री-केंद्र में सॉलिटैर्य आभूषणों के लिए विशेष विभाग, विशिष्ट संग्रह, आकर्षक अवसरों के लिए आभूषण और उच्च आभूषणों से प्रेरित रचनाओं के लिए समर्पित स्थान हैं। मायावे ज्वेलरी की संस्थापक, द्रव्या धोलकिया, कहती हैं मायावे के पीछे हमारा उद्देश्य ऐसी पहचान तैयार करना था जो आधुनिक उपभोक्ताओं के लिए प्रासंगिक महसूस हो, लेकिन साथ ही उसमें कारीगरी, भावनात्मक जुड़ाव और दीर्घकालिकता भी बनी रहे।

प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी को दवे ने दी शुभकामनाएं



भोपाल। भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भाजपा दुर्गगी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, जिला भोपाल के सहसंयोजक महेंद्र दवे ने उनके निज निवास पहुंचकर पुष्पचूड़ भेंट किया एवं हार्दिक जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दवे ने बाबा महाकाल से राहुल कोठारी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

नहीं पड़ा। 'अहम नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की हैं। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंगल, जंगलों का कट नहीं होना। भारत के बड़े भूभाग जिसमें उत्तरीसंगढ, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक हैं। इसमें छत्तीसगढ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में है। दूसरे और भारतीय सरकार बलों के अथक प्रयास के से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब की है इसी विचारधारा के शहरो में बूँत लोग कहीं इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर दत्त तक जाजिम भी हैं। यह मामला किन्ना सवेनशैल से लेनाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा पेश से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस हालात आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या तो गुस्सा जगाना ही सकता है, लेकिन एक सभ्य पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने का। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित ही। सत्ता और समाज के बीच जगम भी इसी स्थिति उपरन 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। करके लोग पर किया जने वाला बल प्रयोग अहम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पथर चलाना, उन्हें चकर करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही का की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश पक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश न रेखा कम अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारों देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश समान सौंपते हैं। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं नव में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

राष्ट्रीय गीत को लेकर चल रहे विवाद के बीच फिर अजीबो गरीब वाकया

एजेसी ►► नागपुर

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच नागपुर नगर निगम प्रशासन एक घटना की वजह से अजीबो-गरीब स्थिति में फंस गया है। गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक थी। बैठक से पहले वंदे मातरम के केवल दो अंतरे ही गाए गए। दिलचस्प बात यह है कि नागपुर नगर निगम की सत्ता भाजपा के पास है। मेयर नीता ठाकरे ने इस मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागपुर नगर निगम में सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले वंदे मातरम को गाया जाना पुरानी परंपरा है।

खबर संक्षेप

राजनाथ ने डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया
नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा में इंदिरा गांधी कला केंद्र सभागार में महाजन इमेजिंग एंड लेब्स के नए इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा के साथ लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। यह केंद्र उत्तर प्रदेश में कंपनी का पहला सेंटर है। इसकी शुरुआत नोएडा से हो रही है।

कर्नाटक के आईएस ज्ञानेंद्र कुमार लापता
बेलगुरु। कर्नाटक के आईएस ज्ञानेंद्र कुमार 20 अगस्त से लापता हैं। उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं हो पा रहा है,उनका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है और उन्हें खोजने की कोशिश जारी है। परिवार का कोई सदस्य भी ज्ञानेंद्र कुमार से बात नहीं कर पाया है।राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है।

डीएमके में 2 कार्यकाल पर छोड़नी होगी कुर्सी चेन्नई। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45 , वार्ड समिति सचिव के लिए 50और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमटी सचिवों के लिए 60 वर्ष निर्धारित की है।2कार्यकाल की सीमा तय की है।

मनन के कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती नई दिल्ली। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के लंबे कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में नियमों के तहत चेयरमैन के दो साल के कार्यकाल का हवाला देते हुए गजट अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है, जिसमें कार्यकाल 2030 तक बढ़ाया गया। याचिकाकर्ता ने मिश्रा को हटाने की मांग की है।

नागपुर नगर निगम में वंदे मातरम के सिर्फ दो अंतरे गाए गए, मेयर ने दिए जांच के आदेश, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी की

विभागों ने दिए अलग-अलग स्पष्टीकरण

खास बातें

- गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक पर सवाल उठे
- बैठक के दौरान यहां पर परंपरा का किया जा रहा था निर्वहन



मेयर नीता ठाकरे

वंदे मातरम के मामले में विवाद तब और गहरा गया जब नगर निगम के अधिकारियों ने इसे लेकर अलग-अलग बयान दिए। नगरपालिका सचिव रंजना लाडे ने कहा कि यह खेल एवं संस्कृति अधिकारी का काम है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि केवल 2 छंद ही बजाए गए हों और यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। रंजना ने कहा कि हमने इस मामले में खेल एवं संस्कृति अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन खेल अधिकारी पीयूष अंबुलकर ने कहा कि यह जिम्मेदारी नगर निगम सचिवालय की है। पीयूष ने वंदे मातरम विवाद को लेकर कहा कि यह सचिवालय की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को है। 15 अगस्त को हमने परिसर में इसे पूरा बजाया था।

मेयर ने नगर निगम के आयुक्त को लिखा पत्र

इसके बाद नीता ने नगर निगम के आयुक्त विपिन इटणकर को पत्र लिखकर मामले की जांच और देषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मेयर ने कहा कि वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत रहा है और इसे गाते समय सम्मान और अनुशासन देने की अपेक्षा की जाती है। जनरल बॉडी की बैठक में वंदे मातरम का केवल कुछ हिस्सा गाया जाना गलत है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? मेयर ने नगर निगम की बैठकों में राष्ट्रीय गान और वंदे मातरम को गाए जाने को लेकर स्पष्ट प्रक्रिया तय करने की भी मांग की है।

वंदे मातरम को लेकर विवाद

कांग्रेस पार्षद ने भी लगाया आरोप

कांग्रेस पार्षद अभिजीत झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए। उन्होंने यह भी कहा कि 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती थी लेकिन सदन की बैठक में शुरुआत में उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी गई और बैठक में शामिल सदस्यों को इसकी याद दिलाई



गई। इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि निगम मुख्यालय में सुबह ही औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की जा चुकी थी। यह घटना ऐसे वक़्त में हुई है, जब वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद चल रहा है। हाल ही में जब कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने वंदे मातरम के केवल पहले दो अंतरे गाने का फैसला किया था तो भाजपा ने इसकी जमकर आलोचना की थी। झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए।

डिजिटल एग्रीकल्चर और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन में 100% सैचुरेशन का चौहान ने राज्यों से किया आह्वान जमीन का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड जरूरी, बीज से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन मजबूत होनी चाहिए: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की प्रगति और आगे की रणनीति पर शनिवार को पूसा में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाना, दालों में आत्मनिर्भरता लाना और खेती से जुड़ी सेवाओं को डिजिटल व पारदर्शी बनाकर खेतों तक वास्तविक असर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जमीन का पूरा डिजिटल रिकॉर्ड जरूरी और बीज से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन मजबूत होनी चाहिए।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भारीरथ चौधरी, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, असम के मंत्री पियूष हजारीका, अरुणाचल प्रदेश के मंत्री प्रेबिनल डेव्वांग बागसु, नागालैंड के मंत्री महात यंथन और केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चंद्रा समेत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

चौहान ने कहा कि अब समय आ गया है कि योजनाओं का अंशदान सिर्फ रिपोर्टों में नहीं बल्कि खेतों में और किसानों की जेब में दिखे; उन्होंने राज्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप करेंगे तो जरूर होगा और कहा कि जिन जगहों पर गंभीरता और कौशल से काम हुआ है वहां लक्ष्यों को 100 प्रतिशत से ऊपर हासिल किया गया जबकि

जहां कोशिश काम रही वहां परिणाम पीछे रहे, इसलिए उन्होंने राज्यों से पूरी जिम्मेदारी और समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा रखी। उन्होंने फार्मर आईडी के महत्व पर विशेष जोर दिया और बताया कि फार्मर आईडी बनने के बाद भुगतान सीधे किसान के खाते में जा रहे हैं जिससे भुगतान तेज और पारदर्शी हुआ है; महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के उदाहरण देते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि समय पर भुगतान से बड़े पैमाने पर लाभ देखा गया और केंद्र ने फार्मर आईडी बनवाने और शिविर चलाने के लिए फंड भी उपलब्ध करवाया है, इतना ही नहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी रूप से एक महीने के भीतर आईडी बनना संभव है पर यह तभी होगा जब शिविर ईमानदारी और सही तरीके से चलें और पैसा कार्यक्रम के नाम पर बर्बाद न हो।

लैंड और डिजिटल सर्वे के विषय पर चौहान ने कहा कि नक्शे जोड़ना और डेटा वरिफिकेशन मिशन की रीढ़ हैं क्योंकि कई जगह सर्वे से जुड़े तकनीकी कारणों- जैसे कुछ फसलों की बनावट या खेत की स्थिति के कारण डेटा पूरी तरह सटीक नहीं आ रहा, इन मामलों में मेरदान पर व्यावहारिक समाधान निकालना होगा ताकि डिजिटल रिकॉर्ड असल जमीन से मेल खाए और योजनाओं का लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे; उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जब सर्वे सही होंगे तभी योजनाओं का असली लाभ दिखाई देगा और जमीन पर परिवर्तन महसूस होगा।

सीजेआई ने 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित किया

आर्थिक वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिक सकती

► आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए न्याय के अर्थशास्त्र की जरूरत

एजेसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक महत्वपूर्ण विचार सामने रखा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि सिर्फ भूगोल की किस्मत या प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिकी रह सकती। आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' यानी न्याय के अर्थशास्त्र की जरूरत है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी संस्थाएं विकास के आसपास बाद में खड़ा किया गया कोई ढांचा नहीं होतीं, बल्कि वे खुद विकास का मुख्य आधार और वास्तुकला होती हैं। अगर इस आधार को हटा दिया जाए, तो उभरती हुई अर्थव्यवस्था केवल सौभाग्य का एक ढेर नजर आएगी, जो किसी भी बड़े संकट में ढह सकती है।



निष्पक्ष और सही फैसले से भरोसा बढ़ेगा

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि जब अदालतें निष्पक्ष और लगातार सही फैसले देती हैं, तो लोगों का न्याय प्रणाली पर भरोसा बढ़ता है। इससे हर व्यापारिक लेनदेन की लागत कम होती है।

संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा कोई भी देश ‘न्याय सेतु’ का विचार भी दिया, भरोसा भी बढ़ाएं

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत ब्रिक्स प्लस का कोई भी देश केवल अपने संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा है। इन देशों का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां वादों और समझौतों को कानूनी रूप से कितना मजबूती से लागू कराया जाता है। भाषण के दौरान सीजेआई ने 'न्याय सेतु' का विचार भी दिया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पुल है जो 11 अलग-अलग देशों की कानूनी परंपराओं को आपस में जोड़ता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश आपस में भरोसे का माहौल खुद बनाएं, न कि किसी चमत्कार का इंतजार करें।

सज्जन कुमार के नाम पर संग्राम हुड्डा के बयान पर भड़के चन्नी उसका नाम लेना भी ‘पाप’

एजेसी ►► अमृतसर

सिख विरोधी दंगों के दोषी पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं की ओर से दी गई श्रद्धांजलि को लेकर पंजाब की राजनीति गरमा गई है। अब इस विवाद के बीच सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सज्जन कौम का हत्यारा है और उसका नाम लेना भी पाप है। उन्होंने कहा कि सज्जन ने मानवता और सिखों की हत्या करवाई तथा दो मामलों में जेल की सजा भुगतते हुए अस्पताल में चल रहे चन्नी ने कहा कि उसे चौराहे पर



खड़ा करके फांसी दी जानी चाहिए थी। सज्जन को रोल मॉडल बताने वालों पर निशाना साधते हुए चन्नी ने कहा कि वह हमारा रोल मॉडल कभी नहीं हो सकता। अगर ऐसे लोग रोल मॉडल होंगे तो देश तबाह हो जाएगा।उन्होंने कहा कि सज्जन को रोल मॉडल कहने वाले अपनी जुबान और खुद पर नियंत्रण रखें।

गोरखपुर में रनवे से टकराया विमान 5.5 घंटे फंसे रहे यात्री, लोगों को पहुंचाने को मंगाया दूसरा विमान

एजेसी ►► गोरखपुर

गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान में टेल इम्पैक्ट मिलने के बाद उसे ग्राउंड कर दिया गया। इसके चलते 19 अगस्त को गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की अगली उड़ान करीब 5 घंटे 30 मिनट विरलंबित हुई। जांच के बाद संचालन ने कहा कि वह हमारा रोल मॉडल कभी नहीं हो सकता। अगर ऐसे लोग रोल मॉडल होंगे तो देश तबाह हो जाएगा।उन्होंने कहा कि सज्जन को रोल मॉडल कहने वाले अपनी जुबान और खुद पर नियंत्रण रखें।



कराया गया। यात्रियों को वैकल्पिक यात्रा विकल्प भी दिए गए। एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार ने बताया कि 19 अगस्त को इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2381 दिल्ली से गोरखपुर पहुंची थी। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एयरलाइंस ने वीटी-आईएलआर में तकनीकी कारणों से टेल इम्पैक्ट पाए जाने की सूचना दी थी।

बिजली की समस्या के चलते पूरी नहीं हुई 49 उम्मीदवारों की परीक्षा, 1 सितंबर को फिर मौका एआईएपीजीईटी परीक्षा में चूक के लिए एनटीए ने जयपुर के एक केंद्र को जारी किया नोटिस

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

नीट समेत अन्य महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं को लेकर बढ़ते पेपरलीक के मामलों के बीच शनिवार को एक अन्य परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी की गुंज सुनाई दी। मामला अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा से जुड़ा हुआ है। जिसके जरिए आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी में एमडी, एमएस और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाता है। 22 अगस्त को 205 केंद्रों पर यह परीक्षा दो पालियों में हुई। जिनमें 51 हजार 482 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 49 हजार 867 ने भाग लिया। लेकिन जयपुर के श्री सत्य साई पीजी कॉलेज केंद्र पर बिजली की समस्या की वजह से 49 उम्मीदवार परीक्षा नहीं दे पाए।

जिसके लिए एनटीए ने खेद प्रकट करते हुए आयोजक एजेंसी एम/एस एडुइकटी करियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी के साथ एनटीए का पैलमेंट भी निलंबित रहेगा। परीक्षा केंद्र पर हालांकि 192 उम्मीदवार पहुंचे थे।

अब जयपुर में फिर से होगी परीक्षा

एनटीए ने परीक्षा पूरी न कर पाने वाले 49 अभ्यर्थी 1 सितंबर को सुबह दस बजे से जयपुर के राजस्थान महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में दोबारा से अपनी परीक्षा दे सकेंगे। उम्मीदवारों को संशोधित प्रवेश पत्र जारी कर जानकारी दी जाएगी। उम्मीदवार 011-40759000, 69227700 पर कॉल कर सकते हैं या फिर एजेंसी को aiapget@nta.ac.in पर ईमेल भी कर सकते हैं।

कांग्रेस ने घटते स्टॉक और आयात को ‘आत्मनिर्भर भारत’ के विपरीत बताया

चीनी की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर केंद्र पर हमला

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

त्योहारों से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों और रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की महंगाई को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीनी के घटते स्टॉक, आयात और सरकार की एथनॉल नीति पर सवाल उठाते हुए इसे 'आत्मनिर्भर भारत' की नीतियों के विपरीत बताया। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने आटा, चावल, मसाले और खाद्य तेल सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार को घेरा। खरगे ने कहा कि त्योहारों से पहले चीनी की मिठास में मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट घुल गई है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक देशों में शामिल भारत में चीनी का स्टॉक नौ साल के निचले स्तर तक कैसे पहुंच गया

खरगे और जयराम ने केंद्र सरकार को घेरा

और स्थिति ऐसी क्यों बनी कि चीनी के निर्यात पर रोक लगाने के साथ 10 लाख टन चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की जरूरत पड़ रही है।

कीमतों में 40 प्रतिशत वृद्धि का कौन जिम्मेदारी लेगा ?

उन्होंने दावा किया कि कुछ महीनों में चीनी की कीमतों में 40 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खरगे ने सवाल उठाया कि त्योहारों से ठीक पहले जनता पर पड़ रही इस महंगाई की मार की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने पूछा कि जब देश में चीनी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है विदेश से चीनी मंगानी पड़ रही है, तो गन्ने और अन्य कृषि उत्पादों को एथनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल करने की नीति की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही है।

महंगाई से घरेलू बजट पर असर
जयराम ने भी महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि साबुन से लेकर कारों तक और मसालों से लेकर आटा, चावल, चीनी और खाद्य तेल तक, कीमतों में बढ़ोतरी का असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सीमित आय के बीच रसोई और रोजमर्रा के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में पिछले एक महीने में विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में कथित बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कहा कि आटा 32 से बढ़कर 40 रुपये, चावल 42 से 54 रुपये, जिरा 180 से 380 रुपये, हल्दी 130 से 260 रुपये और सरसों तेल 165 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। उन्होंने मूंगफली और रिफाइन तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी का दावा

किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि चीनी भी दो महीनों में करीब 40 प्रतिशत तक महंगी हुई है।

आम आदमी की थाली पर असर

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि महंगाई का सीधा असर अब आम आदमी की थाली और रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। पार्टी ने सरकार की आर्थिक और खाद्य नीति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब घरेलू बाजार में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, तब सरकार महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए क्या कदम उठा रही है। कांग्रेस ने सरकार की एथनॉल नीति को भी सवालियों के घेरे में लिया है। खरगे ने कहा कि एक ओर देश चीनी की कमी के चलते आयात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर गन्ने को पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि ऐसी स्थिति को 'आत्मनिर्भर भारत' कैसे कहा जा सकता है?

हिमाचल विधानसभा में हंगामा

वंदे मातरम पर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने- सामने, नारेबाजी की

एजेसी ►► शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन राष्ट्रीय गीत को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हो गए। पहले विधानसभा परिसर में दोनों दलों के विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की।सदन के भीतर प्रश्नकाल के बाद भी मामला गरमा गया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राष्ट्रीय गीत के अपमान के आरोप पर मुख्यमंत्री से माफी मांगने को कहा, जबकि सीएम सुखचिंद्र सिंह सुक्खू ने पलटवार करते हुए भाजपा विधायक दल पर राष्ट्रीय गान के अपमान का आरोप लगाया।



ठाकुर बोले- मांफी मांगें

जयराम ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का अपमान कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में हुआ है।जो बात सदन के अंदर हुई ही नहीं, उस पर बयान देने पर मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। इस बारे में सदन में क्लिफिंग दिखाएं। सभी भाजपा विधायक सावधान की मुद्रा में खड़े थे।



दोस्त या रिश्तेदार की मदद पड़ेगी भारी

लोन में गारंटर बनने के कई नुकसान

बिजनेस डेस्क

दोस्त, रिश्तेदार या करीबी व्यक्ति मुश्किल समय में आर्थिक मदद मांगता है तो मना करना आसान नहीं होता। कई बार व्यक्ति खुद लोन लेने की स्थिति में होता है, लेकिन बैंक की शर्तों के कारण उसे गारंटर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में भावनात्मक रिश्ते के कारण लोन बिना पूरी जानकारी लिए लोन गारंटर बनने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन गारंटर बनना महज एक औपचारिकता नहीं है। इसके अर्थ है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी देनदारी पूरी नहीं करता, तो गारंटी की शर्तों के अनुसार बैंक आपसे भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। इसलिए किसी के लोन की गारंटी देने से पहले यह समझना जरूरी है कि इससे आपके क्रेडिट रिकॉर्ड, भविष्य में लोन लेने की क्षमता और व्यक्तिगत वित्त पर क्या असर पड़ सकता है।

गारंटर बनने का मतलब क्या

लोन में गारंटर वह व्यक्ति होता है जो बैंक या वित्तीय संस्थान को यह आश्वासन देता है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता तो लागू गारंटी की शर्तों के अनुसार वह देनदारी पूरी करेगा। इसलिए किसी दस्तावेज पर सिर्फ इसलिए हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए कि सामने वाला दोस्त या रिश्तेदार है। हस्ताक्षर करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस रकम, किस अवधि और किन शर्तों के लिए गारंटी दे रहे हैं।

गारंटर बनते ही क्रेडिट स्कोर घटता है

नहीं, केवल गारंटर बनने से अपने आप क्रेडिट स्कोर खराब होना जरूरी नहीं है। अगर मुख्य उधारकर्ता समय पर ईएमआई चुका रहा है और लोन खाते में कोई डिफॉल्ट नहीं हो रहा है, तो सामान्य तौर पर केवल गारंटर होने की वजह से आपके क्रेडिट रिकॉर्ड पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता। लेकिन समस्या तब शुरू हो सकती है जब मुख्य उधारकर्ता ईएमआई चुकाने में लगातार चूक करता है। ऐसी स्थिति में लोन खाते से जुड़ी डिफॉल्ट जानकारी गारंटर के क्रेडिट प्रोफाइल को भी प्रभावित कर सकती है। लगातार भुगतान में चूक होने से भविष्य में आपकी क्रेडिट हिस्ट्री पर नकारात्मक असर पड़ने का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए गारंटर बनने के बाद भी लोन की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

बड़ा खतरा : कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी

गारंटर बनने का सबसे महत्वपूर्ण जोखिम आर्थिक है। यदि मुख्य उधारकर्ता लोन की किस्तें नहीं चुका पाता है तो बैंक या वित्तीय संस्थान गारंटी समझौते की शर्तों के अनुसार गारंटर से भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। यानी जिस लोन का पैसा आपने लिया ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी कुछ परिस्थितियों में आपके ऊपर भी आ सकती है। यही वजह है कि गारंटर बनने से पहले यह सवाल खुद से जरूर पूछें। अगर सामने वाला व्यक्ति कल से ईएमआई देना बंद कर दे तो क्या में इस लोन की जिम्मेदारी संभाल सकता हूँ? अगर इसका जवाब 'नहीं' है तो अगर रिश्तेदारी या दोस्ती के दबाव में गारंटर बनना जोखिम भरा हो सकता है।

लोन लेने में आ सकती है दिक्कत

गारंटर बनने का असर केवल क्रेडिट स्कोर तक सीमित नहीं है। जब आप भविष्य में होम लोन, कार लोन या कोई अन्य बड़ा कर्ज लेने के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक आपकी मौजूदा वित्तीय जिम्मेदारियों और क्रेडिट प्रोफाइल का आकलन कर सकता है। जिस लोन की आपने गारंटी दी है, वह आपकी वित्तीय प्रोफाइल के आकलन में महत्वपूर्ण हो सकता है। खासकर यदि उस लोन में भुगतान संबंधी समस्या चल रही हो तो आपके लिए नया कर्ज लेना कठिन हो सकता है या बैंक अतिरिक्त जांच कर सकता है।

रिश्तेदार है तो भी पहले जांच करें

गारंटर बनने से पहले केवल रिश्ते को आधार न बनाएं। यह जानना जरूरी है कि जिस व्यक्ति के लोन की गारंटी आप दे रहे हैं, उसकी आय कितनी है, उसकी मौजूदा ईएमआई कितनी है और उस पर पहले से कितना कर्ज है। यह भी देखें कि उसकी बीमारी या कारोबार कितना स्थिर है। यदि उसकी आय अनिश्चित है या पहले से कई कर्ज चल रहे हैं तो गारंटर बनने का जोखिम बढ़ सकता है।

दस्तावेज पढ़े बिना न करें हस्ताक्षर

गारंटी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले बैंक से स्पष्ट रूप से पूछें कि आपकी जिम्मेदारी की सीमा क्या है। क्या गारंटी केवल मूल रकम तक सीमित है या इसमें ब्याज, शुल्क और अन्य देनदारियां भी शामिल हो सकती हैं? यह जानकारी दस्तावेज की शर्तों से ही स्पष्ट होगी। इसलिए किसी बैंक कर्मचारी, एजेंट या परिचित के कहने मात्र पर दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। जरूरत हो तो स्वतंत्र वित्तीय या कानूनी सलाह भी ली जा सकती है।

ईएमआई की जानकारी लेते रहें

अगर आपने किसी के लोन की गारंटी दी है तो यह मानकर न चले कि अब आपकी कोई भूमिका नहीं है। मुख्य उधारकर्ता से समय-समय पर ईएमआई भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते रहें। किसी भुगतान में देरी की जानकारी मिले तो समस्या बढ़ने से पहले उधारकर्ता से बात करें। शुरुआती स्तर पर समस्या का समाधान करना लंबे समय तक चलने वाले डिफॉल्ट से बेहतर है।

दोस्ती और पैसा, दोनों को अलग रखें

किसी करीबी की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन मदद का अर्थ अपनी आर्थिक सुरक्षा को जोखिम में डालना नहीं होना चाहिए। यदि आपको लगता है कि सामने वाला व्यक्ति लोन चुकाने की स्थिति में नहीं है तो गारंटर बनने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार सीमित आर्थिक सहायता करना ज्यादा सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

फैसला लेने से पहले ये जरूर पूछें

- » क्या मैं इस व्यक्ति की आय और मौजूदा कर्ज को समझता हूँ?
- » अगर वह ईएमआई नहीं चुका पाया तो क्या मैं संभावित वित्तीय जिम्मेदारी संभाल सकता हूँ?
- » क्या मैंने गारंटी दस्तावेज की सभी शर्तें पढ़ी हैं?
- » क्या भविष्य में मुझे खुद होम, कार या किसी दूसरे बड़े लोन की जरूरत पड़ सकती है?

मदद करें, लेकिन जोखिम समझकर

लोन गारंटर बनना दोस्त या रिश्तेदार की मदद करने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन इसमें वित्तीय जोखिम भी जुड़ा है। समय पर ईएमआई वाली रकमे पर समस्या नहीं आती, लेकिन मुख्य उधारकर्ता के डिफॉल्ट की स्थिति में गारंटर की क्रेडिट प्रोफाइल और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसलिए गारंटर बनने से पहले भावनात्मक रिश्ते से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी भुगतान क्षमता, दस्तावेज की शर्तों और भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझना है। किसी की मुश्किल में साथ देना अच्छी बात है, लेकिन ऐसी मदद न करें जो बाद में आपके ही परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मुश्किल में डाल दे।

दस साल में चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न

10 वर्ष में 4 लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न, हर माह 10000 की एसआईपी से 12 लाख का निवेश 31 लाख से ज्यादा, चारों फंडों ने दिया 18 से 19% तक एक्सआईआरआर

निवेश नत्रा बिजनेस डेस्क

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने के लिए म्यूचुअल फंड की लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकती है। इस श्रेणी के फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों के साथ मध्यम आकार की तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। नियमों के अनुसार, ऐसे फंडों को कम से कम 35 प्रतिशत राशि लार्ज कैप और 35 प्रतिशत मिड कैप कंपनियों में लगानी होती है। इस तरह कम से कम 70 प्रतिशत पोर्टफोलियो देश की बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों में रहता है। 18 अगस्त 2026 को उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ऐसे रहे, जिनमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 31 लाख रुपये से ज्यादा हो गया। इनमें सबसे बेहतर प्रदर्शन इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड का रहा, जिसने 19.3 प्रतिशत का एक्सआईआरआर दिया।

इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड

इस सूची में इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड पहले स्थान पर है। अगस्त 2007 में शुरू हुआ यह फंड पहले इनवेस्को इंडिया ग्रोथ अपॉय्युनिटीज फंड के नाम से जाना जाता था। फंड शेयरों का चयन करने के लिए ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर, दोनों तरह की रणनीति का इस्तेमाल करता है। इसमें किसी एक सेक्टर या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रखी जाती। इस फंड में 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 33.2 लाख रुपये हो गया। इस आधार पर इसका एक्सआईआरआर 19.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में इंटरनेल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक और प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, करीब 38.1 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 35.9 प्रतिशत मिड कैप और 23.1 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में था।



क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। दिसंबर 2006 में शुरू हुआ यह फंड शेयरों के चयन में आंकड़ों पर आधारित रणनीति अपनाता है। फंड हाउस का वीएलआरटी ढांचा कंपनियों के मूल्यांकन, नकदी की उपलब्धता, जोखिम और निवेश के सही समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखता है। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की

एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.3 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में लॉयड्स मेटलस एंड एनर्जी, ऑरोबिंदो फार्मा, संवर्धन मद्रसन इंटरनेशनल, अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 38.2 प्रतिशत लार्ज कैप, 33.1 प्रतिशत मिड कैप और 5.2 प्रतिशत स्मॉल कैप में निवेश था।

निवेश के ये फॉर्मूले, अपनाएं कभी नहीं रहेगा पैसे का संकट

जानकारी बिजनेस डेस्क

पैसे को दोगुना से चार गुना तक आसानी से कर सकेंगे

इमरजेंसी फंड व इक्विटी डेट का संतुलन बनाएंगे

निवेश की दुनिया में विकल्पों की कोई कमी नहीं है। बैंक एफडी, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, इक्विटी, डेट और सोने जैसे कई माध्यमों में पैसा लगाया जा सकता है। लेकिन निवेश में सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि पैसा कहाँ लगाया गया है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कितनी राशि निवेश की जा रही है, कितने समय के लिए निवेश किया जा रहा है और जोखिम को किस तरह नियंत्रित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से वित्तीय योजना में कुछ आसान नियमों का इस्तेमाल किया जाता है। इन नियमों का मदद से निवेशक मोटे तौर पर यह समझ सकता है कि उसका पैसा कितने समय में दोगुना या चार गुना हो सकता है, आय का कितना हिस्सा खर्च और बचत में जाना चाहिए तथा इमरजेंसी के लिए कितनी रकम अलग रखनी जरूरी है। हालांकि ये नियम अनुमान देने वाले सामान्य वित्तीय फॉर्मूले हैं, इन्हें निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं माना जाना चाहिए।

रूल ऑफ 72, 114 और 144 कंपाउंडिंग को समझने के आसान तरीके हैं, जबकि 50-30-20, 100 माइनस एज और 10 फीसदी निवेश जैसे नियम व्यक्तिगत वित्त को व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन किसी भी नियम को अंतिम निवेश सलाह नहीं माना जाना चाहिए। सही रणनीति बनाने के लिए निवेशक को अपनी आय, उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य, कर्ज और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि पहले इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा जैसी वित्तीय सुरक्षा तैयार करें, फिर लक्ष्य के मुताबिक नियमित और अनुशासित निवेश करें। निवेश में जल्द अमीर बनने के बजाय लंबे समय तक टिके रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

1. रूल ऑफ 72

रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि किसी निवेश को दोगुना होने में लगभग कितना समय लग सकता है। इसके लिए 72 को अनुमानित सालाना रिटर्न से भाग दिया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी निवेश से सालाना 12 फीसदी रिटर्न मिलने की उम्मीद है तो 72÷12 = 6। यानी अनुमान के तौर पर पैसा करीब छह साल में दोगुना हो सकता है। इसी तरह चार साल में पैसा दोगुना करने के लिए करीब 18 फीसदी सालाना रिटर्न की जरूरत होगी। बाजार आधारित निवेश में वास्तविक रिटर्न अलग हो सकता है।

2. रूल ऑफ 114

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि आपका निवेश लगभग कितने समय में तीन गुना हो सकता है तो रूल ऑफ 114 इस्तेमाल किया जाता है।

फॉर्मूला: 114 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न = 12 फीसदी अनुमानित सालाना रिटर्न के मामले में 114÷12 = 9.5 साल। यानी इस फॉर्मूले के अनुसार निवेश को तीन गुना होने में करीब साढ़े नौ साल लग सकते हैं।

3. रूल ऑफ 144

रूल ऑफ 144 से यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश कितने समय में चार गुना हो सकता है।



फॉर्मूला: 144 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न = अगर अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना है तो 144÷12 = 12 साल। यानी इस गणना के अनुसार पैसा करीब 12 साल में चार गुना हो सकता है। कंपाउंडिंग का असर लंबी अवधि में निवेश की वृद्धि को काफी प्रभावित करता है।

4. 50-30-20 रूल

मासिक बजट को व्यवस्थित रखने के लिए 50-30-20 नियम काफी लोकप्रिय है। इसके अनुसार आय का करीब 50 फीसदी हिस्सा जरूरी खर्चों, 30 फीसदी गैर-जरूरी जरूरतों या इच्छाओं और 20 फीसदी बचत एवं निवेश के लिए रखा जा सकता है। हालांकि हर व्यक्ति की आय, पारिवारिक

जिम्मेदारियां और खर्च अलग होते हैं। इसलिए इसे एक शुरुआती बजटिंग फ्रेमवर्क की तरह इस्तेमाल करना बेहतर है। जिन लोगों पर कर्ज का बोझ अधिक है, वे निवेश से पहले महंगे कर्ज को कम करने पर भी ध्यान दे सकते हैं।

5. 100 माइनस एज रूल

निवेश पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का अनुपात तय करने के लिए 100 माइनस एज नियम का इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें निवेशक की उम्र को 100 से घटाया जाता है। बची हुई संख्या को इक्विटी में निवेश का संभावित प्रतिशत माना जाता है। मसलन, 30 साल के निवेशक के लिए 100-30 यानी 70 फीसदी इक्विटी और 30 फीसदी डेट का

अनुपात माना जा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ इक्विटी का हिस्सा कम करने का विचार जोखिम को नियंत्रित करने से जुड़ा है।

6. न्यू, 10% निवेश नियम

इस नियम के अनुसार आय का कम से कम 10 फीसदी हिस्सा लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित निवेश है। आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाते रहना चाहिए। मसलन, अगर किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है तो शुरुआत में कम से कम 5 हजार रुपये लंबी अवधि के निवेश के लिए अलग रखे जा सकते हैं। भविष्य में वृद्धि बढ़ने पर निवेश राशि बढ़ाने से कंपाउंडिंग का लाभ और मजबूत हो सकता है।

7. इमरजेंसी फंड रूल

सारी बचत को निवेश कर देना समझदारी नहीं है। अचानक नौकरी जाने, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य आपात स्थिति में तुरंत उपलब्ध पैसे की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह दी जाती है। अगर किसी परिवार का जरूरी मासिक खर्च 40 हजार रुपये है तो छह महीने के दिहाब से करीब 2.4 लाख रुपये का आपातकालीन फंड लक्ष्य बनाया जा सकता है। इस रकम को ऐसे माध्यम में रखना बेहतर होता है जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

पैसा सुरक्षित दिखने के बावजूद कम रिटर्न देने वाला निवेश कर सकता है नुकसान

पहचानें और समय रहते लें फैसला इससे परेशानी से बचा जा सकेगा

अलर्ट बिजनेस डेस्क

निवेश करते समय ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि उनका पैसा डूब तो नहीं रहा। लेकिन केवल मूल रकम सुरक्षित रहना ही अच्छे निवेश की निशानी नहीं है। अगर आपका पैसा लंबे समय तक ऐसे निवेश में फंसा हुआ है, जो मामूली या लगभग शून्य रिटर्न दे रहा है, तो वह देखने में सुरक्षित होने के बावजूद आपकी संपत्ति बढ़ाने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। निवेश की दुनिया में ऐसे निवेश को आमतौर पर 'डेड मनी' कहा जाता है। 'डेड मनी' का मतलब किसी ऐसे निवेश से है, जिसमें पैसा लगा हुआ है, लेकिन लंबे समय से उस पर अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही। जरूरी नहीं कि ऐसे निवेश में निगेटिव रिटर्न ही मिल रहा हो। कई बार निवेश का मूल्य थोड़ा बढ़ता है, लेकिन महंगाई और दूसरे सामान निवेशों के मुकाबले उसका प्रदर्शन इतना कमजोर होता है कि पैसा प्रभावी रूप से निष्क्रिय पड़ा रहता है।

कैसे पहचानें डेड मनी?

हर कमजोर प्रदर्शन करने वाले फंड को तुरंत बेच देना सही रणनीति नहीं है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कैटेगरी का प्रदर्शन बदलता रहता है। इसलिए किसी निवेश को डेड मनी मानने से पहले कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को देखना चाहिए। पहला संकेत है लंबी अवधि तक कमजोर प्रदर्शन। अगर कोई फंड लगातार कई निमाहियों तक कमजोर बना हुआ है और उसके प्रदर्शन में सुधार के संकेत नहीं मिल रहे हैं, तो इसकी समीक्षा जरूरी है। केवल एक-दो खराब तिमाही के आधार पर फैसला नहीं लेना चाहिए। दूसरा संकेत है समान कैटेगरी के फंडों से लगातार पिछड़ना। अगर आपके फंड की कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और आपका फंड लंबे समय तक पीछे बना हुआ है, तो यह चिंता का कारण हो सकता है। तीसरा संकेत है निवेश रणनीति में बदलाव। अगर फंड की रणनीति, फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो या जोखिम प्रोफाइल में बड़ा बदलाव हुआ है तो यह देखना जरूरी है कि मौजूदा निवेश अभी भी आपके लक्ष्य के अनुकूल है या नहीं।

मूल पैसा सुरक्षित फिर भी नुकसान

मान लीजिए आपके पास एक लाख रुपये हैं और आपने उन्हें ऐसे फंड में लगा रखा है, जो लंबे समय तक बहुत कम रिटर्न दे रहा है। एक-दो साल बाद भी अगर आपकी रकम लगभग उतनी ही है, तो पहली नजर में लग सकता है कि आपको कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन इसी अवधि में बाजार के दूसरे समान फंडों ने बेहतर प्रदर्शन किया हो तो आपका पैसा वहां ज्यादा बढ़ सकता था। यहीं 'अपॉयुनिटी कॉस्ट' सामने आती है। यानी जिस निवेश में आपका पैसा अटक रहा, उसकी वजह से आप बेहतर रिटर्न वाले दूसरे अवसर का फायदा नहीं उठा पाए। इसलिए निवेश में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि पैसा घटा या बढ़ा, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि वह आपके लक्ष्य के मुताबिक पर्याप्त गति से बढ़ रहा है या नहीं।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

चौथे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। अगस्त 2005 में शुरू हुआ यह फंड पहले बंधन कोर इक्विटी फंड और उससे पहले आईडीएफसी कोर इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। इसका उद्देश्य अच्छी तरह संवर्धित और टिकाऊ कारोबार वाली ऐसी कंपनियों में निवेश करना है, जिनके शेयर उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध हों। इसमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का कुल निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, वलेंट कन्सुलिकेंशंस और इंफोसिस शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 39.4 प्रतिशत लार्ज कैप, 36.2 प्रतिशत मिड कैप और 18.6 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश था।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

इन फंडों के 10 साल के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। लार्ज एंड मिड कैप फंड में मिड कैप कंपनियों का पर्याप्त हिस्सा होता है। इसलिए शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इन फंडों में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशकों को फंड का प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में देखना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि फंड ने अपने बेचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में कितनी निरंतरता दिखाई है। इसके अलावा फंड की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, जोखिम और खर्च जैसे पहलुओं को भी समझना चाहिए।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

एजेसी ►► कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।

3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज जीतने उतरेगा भारत



कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार
भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ की स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें खल्लू स्पिनर प्रभात जयसूरा ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद
भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। इंग्लैंड में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशरा और साहन अरचिंगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।
मैच का समय : सुबह 10 बजे



सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

एजेसी ►► मेसन

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शांट चुने और दूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के ट्राईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिस्कोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिस्कोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटायो सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुस्टेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम पार में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एक्लत के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एक्लत के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लोरियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिट्स से होगा।

स्नबर संक्षेप



एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिकसन, जोसेफ ब्रेमलेट, डेविड शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोजान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरूआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी। उन्होंने 13वें होल पर इंगल लगाया जबकि 16वें होल पर बोगी करने बाद आगेले दो होल पर बर्डी बनाई। थॉमस ने दूसरे होल पर एक शांट गंवाया, लेकिन तीसरे होल पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने पांचवें से सातवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाई। इस तरह से उन्होंने आठ बर्डी और एक इंगल के अलावा तीन बोगी की।

नेक्स्टो चैंपियनशिप: शुभंकर ने कट में बनाई जगह

एबरडीनशर। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पिछली चार प्रतियोगिताओं में कट से चकने बाद नेक्स्टो चैंपियनशिप के अंतिम राउंड में जगह बनाकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने दूसरे राउंड में इवन-पार का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने छठे होल में होल इन वन (पहले शांट में गेंद को होल में डालना) के साथ दिन का सबसे बेहतरीन शांट लगाया। पहले राउंड में 73 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया। इस तरह से 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर 145 हो गया है और वह 22वें स्थान पर हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/बातों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

एजेसी ►► लंदन

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए।

ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर राशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात



अंडर-20 वर्ल्ड कुश्ती प्रतियोगिता

भारत की महिला टीम ओवरऑल दूसरा स्थान पर

हरियाणा की पहलवानों ने 5 पदक कब्जाए



हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

■ पहलवानों ने 1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य अपने नाम किए

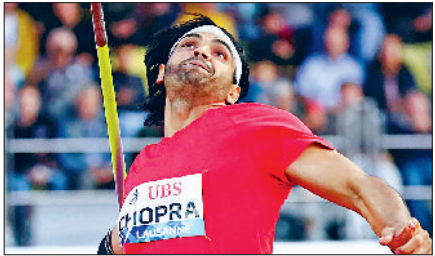
अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला कुश्ती टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल दूसरा स्थान हासिल किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों से ताल्लुक रखने वाली महिला पहलवानों ने कुल 6 शानदार पदक (1 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य) अपने नाम किए हैं, जिससे पूरे देश में जश्न का माहौल है। इसमें पांच हरियाणा की पहलवानों ने पदक जीते। अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनीं सोनीपत काजल ढोचक ने 76 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में चीन की जिंगरू सन को 7-0 से करारी शिकस्त देकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। जींद पहलवान मानसी लाठर ने 68 किग्रा वर्ग में शानदार दांवपंछ करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की चेनिलिंग सांग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा

और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हांसी की तनु शर्मा ने 72 किग्रा वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में जापान की चिसातो योशिदा को कड़ी टक्कर दी, लेकिन वह 3-5 से मुकाबला हारकर रजत पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। रोहतक की सविता ने 62 किग्रा वर्ग में फाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें जापान की साकुरा ओनीशी के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र की तानवी गुंडेश मगदुम ने 57 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक प्लेऑफ मुकाबले में कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 के बड़े अंतर से हराकर पोलिडियम पर अपनी जगह पक्की की। वहीं, पानीपत की कोमल ने 59 किग्रा वर्ग में अपने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से मात देकर देश के लिए कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से कुश्ती जगत में भारत का मान और बढ़ गया है।

नीरज दूसरे स्थान पर रहे, पथिरागे ने लुसाने डायमंड लीग में खिताब जीता

भाषा ►► लुसाने

भारतीय भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक साल से अधिक समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन शुक्रवार को यहां लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के उमरते सितारे रमेश पथिरागे ने सिर्फ नौ सेंटीमीटर के अंतर से उन्हें स्वर्ण पदक से वंचित कर दिया। चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर का थो किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे यह 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी नौ खिलाड़ियों के मुकाबले में दूसरे स्थान पर रहा। यह इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थो भी था। दरअसल चोपड़ा का यह पिछले साल जून के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उन्होंने तब पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान 88.16 मीटर का थो किया था। लेकिन 23 वर्षीय पथिरागे ने इस सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर के थो के साथ चोपड़ा को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने हालांकि दूसरे स्थान पर रहकर डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूती प्रदान की। वह साल के आखिर में होने वाले डायमंड लीग फाइनल की रैंकिंग में सातवें स्थान से आगे बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं।



वेनान्डा के एंडरसन पीटर्स ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 86.69 मीटर की दूरी तय करके तीसरा स्थान हासिल किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के मौजूदा विश्व चैंपियन केशोन वालर्कोट 83.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थो के साथ चौथे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 78.13 मीटर के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि तोक्थो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज ने 77.32 मीटर के साथ सातवां स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने बाद में कहा कि शीर्ष स्थान के लिए उनके और पथिरागे के बीच कड़ी टक्कर थी।

हॉकी विश्वकप : सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

कंगारुओं के खिलाफ आर-पार का महामुकाबला आज

एजेसी ►► एम्सटेलवीन

ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीदरलैंड से पिछले मैच में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पराजय का सामना करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम को अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले को 'क्वार्टर फाइनल' की तरह खेलना होगा।

दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने शुक्रवार को 2-0 से हराया, जो इस विश्व कप में उसकी पहली हार थी। डिफेंस और खासकर गोलकीपरों ने शानदार प्रदर्शन किया करना सह मेजबान टीम की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था।



भारत के पास एक अंक

नए प्रारूप के तहत भारत को चीन से नहीं खेलना है क्योंकि पहले दौर में दोनों के बीच मुकाबला हो चुका है और उसके ड्रा रहने से आस्ट्रेलिया को हराने पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं चीन के हराने और भारत और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रा रहने पर गोल औसत के आधार पर फैसला होगा।

मैचों के छह अंक हैं। चीन और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रा रहा है, जिससे चीन के दो और आस्ट्रेलिया का एक अंक है। नीदरलैंड अगर चीन को हरा देता है या ड्रा खेला है तो आस्ट्रेलिया को हराने पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं चीन के हराने और भारत और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रा रहने पर गोल औसत के आधार पर फैसला होगा।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

मेडल का रंग बदलने से चूकी त्रिसा-गायत्री



एजेसी ►► नई दिल्ली

गई। त्रिसा और गायत्री को हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर भी समाप्त हो गया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और देश की झोली में सिर्फ एक ब्रॉन्ज मेडल आया।

त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को दी कड़ी टक्कर

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को लगातार कड़ी टक्कर दी और 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद ल्यू शेगंशू और तान निंग की जोड़ी ने वापसी की और 9 ज्वाइंट हासिल करते हुए ब्रेक तक स्कोर को 11-7 से अपने पक्ष में कर लिया। अगर, भारतीय जोड़ी ने एक बार फिर कमबैक किया और गेम को 21-18 से अपने नाम कर लिया।

कुश्ती : मानसी ने जीता सिल्वर, तन्वी और कोमल को कांस्य
बातिस्लावा। मानसी लाथेर ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीता जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने कांस्य पदक हासिल किए। मानसी को 68 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की चेनिलिंग सांग के हाथों 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने 57 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में कनाडा की एडिनिया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया, जबकि कोमल ने 59 किलोग्राम वर्ग में हंगरी की एडा बालाज पर 5-2 की शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक जीता।

टीम इंडिया का औसत माइनस दो

चीन ने अब तक तीन गोल गंवाए और तीन किए हैं, जिससे गोल औसत शून्य है जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए हैं, जिससे औसत माइनस दो है और आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए जबकि पांच गंवाए हैं, जिससे उसका भी औसत माइनस दो है। ऐसे में भारत को चीन के बड़े अंतर से हराने की भी डुआ करनी होगी।

11 खिलाड़ी पहली बार खेल रही विश्व कप

भारत की 11 खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है, जिसे देखते हुए अब तक के प्रदर्शन को सांख्यिक कहा जा सकता है। पहले ही मैच में चीन जैसी दिग्गज टीम को ड्रा पर रोककर ही इस टीम ने संकेत दे दिए थे कि वह टूर्नामेंट में सिर्फ भागीदारी के लिए नहीं आई हैं। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पर 6-1 से जीत दर्ज की और इंग्लैंड को आखिरी मैच में गोलरहित ड्रा पर रोकरकर दूसरे दौर में जगह बनाई।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



सच्ची सहेली

खबर संक्षेप

पेरिस में बीएपीएस मंदिर सितंबर में होगा शुरु

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस के उपनगर 'बूसी-सेंट-जॉर्जेस' में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर उद्घाटन के समीप पहुंच गया है। मंदिर के शिखरों और केंद्रीय गुंबद पर कलश एवं ध्वजा दंड पूजन जैसी पारंपरिक वैदिक रस्में पूरी की जा रही हैं। उद्घाटन 2 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाले 13 दिवसीय 'पेरिस मंदिर महोत्सव' के दौरान किया जाएगा।

8 नवंबर को दीवाली मनाएगा कैलिफोर्निया

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली ने 8 नवंबर को 'दीवाली डे' के तौर पर मनाने का प्रस्ताव पास किया। असेंबली के सदस्यों दर्शन पटेल और ऐश कालरा की ओर से पेश प्रस्ताव में कैलिफोर्निया और दुनिया भर में रहने वाले भारतीय-अमेरिकियों और भारतीय मूल के लोगों के प्रति गहरा सम्मान भी जताया गया है। प्रस्ताव गुरुवार को पास हुआ है।

निजता उल्लंघन में टिकटॉक देगा 40 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन। टिकटॉक ने बच्चों की निजता से जुड़े संयोग कानूनों के उल्लंघन के मामले में अमेरिकी न्याय मंत्रालय के साथ 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता किया है। मंत्रालय ने बताया कि टिकटॉक तत्काल 30 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा, जबकि शेष 10 करोड़ डॉलर का भुगतान पूर्ववर्ती कंपनी म्यूजिकली के आदेश रह देने पर होगा।

पश्चिम-एशिया संकट के बीच मिस्र के विदेश मंत्री से हुई जयशंकर की बातचीत

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। पश्चिम-एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के मध्य विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई है। जिसमें मुख्य रूप से क्षेत्र और खाड़ी के इलाके में बने हुए हालात पर विचार-विमर्श किया गया है। शनिवार को हुई इस वार्ता में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के मामले पर भी चर्चा की गई है। भारत के विदेश मंत्री ने एक्स पर की गई एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। जिसमें उन्होंने अपनी बातचीत का सार बताते हुए इसकी सराहना की है।

रूसी तेल के आरोप में 10 साल की जेल के खतरे में भारतीय कैप्टन

एचएमपी विनचेस्टर में न्यायिक हिरासत में हैं पंत

एजेसी ►► नई दिल्ली

ब्रिटेन में रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों के कथित उल्लंघन के मामले में भारतीय मर्चेंट नेवी कैप्टन अजय पंत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 38 वर्षीय पंत को जून में इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश बलों द्वारा तेल टैंकर स्मिटोंस को रोक के जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर ऐसे प्रतिबंधित रूसी तेल या तेल उत्पादों को जहाज के जरिए किसी तीसरे देश तक पहुंचाने का आरोप है, जिसमें दोष साबित होने पर उन्हें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

भारत के मुरीद हुए पाक मंत्री इकबाल, बोले

एजेसी ►► इस्लामाबाद

पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल ने एक कार्यक्रम में भारत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए, भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया के कामकाज के लिए भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत को ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए, जो स्थिरता के लिए खतरा बनें। मंत्री इकबाल ने कहा कि दक्षिण एशिया में चीजों से सही से चलने और स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अहम है।

दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए नई दिल्ली की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

पाक मंत्री इकबाल ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं

भारत पानी को पाक के खिलाफ हथियार बना रहा

सिंधु नदी | पाक मंत्री अहसान इकबाल

सिंधु जल संधि को निर्बाध करने के भारत के फैसले पर पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार में योजना विकास मंत्री अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान के सामने अब यह खतरा साफ है कि भारत जल्द ही के समय पानी रोकने के लिए पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ऊपरी देश है और वहां से नदियां बहकर पाकिस्तान में आती हैं।

पंजाब में बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार

अहसान इकबाल ने सिंधु संधि के मामले में भारत आरोप लगाए हैं। बीते साल अगस्त में पंजाब में बाढ़ के लिए उन्होंने भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इकबाल ने तब कहा था कि भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। भारत के रावी और सतलुज नदियों में पानी छोड़ देने के वजह से पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में बाढ़ आई है।

देश में एलपीजी नेटवर्क होगा मजबूत, 6 राज्यों को होगा जबरदस्त फायदा

तेजी से एलपीजी ईंधन की आपूर्ति होगी

7000 करोड़ की लागत से बनेगी 1800 किमी की नई पाइपलाइन

एजेसी ►► नई दिल्ली

ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल क्षेत्र के नियामक ने 7,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 'कॉमन-कैरियर' एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है।

तीन नई परियोजनाएं | मंजूरी दी गई तीन नई परियोजनाएं हैं- चेलापल्ली (तेलंगाना) से नागपुर (महाराष्ट्र) तक 556 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, झारखी (उत्तर प्रदेश) से सितारगंज (उत्तराखंड) तक 611 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, और शिवारपुर (महाराष्ट्र) से गोवा और हुबली (कर्नाटक) तक 633 किलोमीटर लंबी लाइन।

नेटवर्क को गेल (इंडिया) लिमिटेड विकसित करेगी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा, जो लगभग 23.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार डील को लेकर नहीं बनी सहमति

एजेसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार समझौते के मुद्दे पर बातचीत टूट गई है और नए समझौतों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इस गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच पहले से जारी कूटनीतिक और आर्थिक तनाव व्यापारिक समझौतों की वजह पर बढ़ गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच लगभग 880 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी अमेरिका पर टैरिफ लगाने के संकेत

डोनाल्ड ट्रंप और मार्क कार्नी

दिया है। मार्क कार्नी ने कहा है कि अपने कर्मचारियों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए कनाडा इन टैरिफ का डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से जवाब देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार आधी रात को अमेरिका की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कनाडा ने हफ्ते की शुरुआत में तय शर्तों के आधार पर समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेशिकयन ने दिया संकेत तेहरान अब मजबूत स्थिति में युद्ध खत्म करना बेहतर निर्णय

एजेसी ►► तेहरान

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन ने कहा है कि अब अमेरिका के साथ युद्ध को समाप्त करना बेहतर है क्योंकि ईरान मजबूत और सम्मान की स्थिति में है। उनका ये बयान हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों की डेडलाइन पूरी होने के बाद सामने आया है। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सख्ती से प्रतिबंधों को लागू करने की बात कर रहे हैं। राष्ट्रपति पेजेशिकयन ने राजधानी तेहरान में ईरानी मीडिकल सोसाइटी के इस्लामिक एसोसिएशन की 31वीं महासभा में उन्होंने इस बात

पर जोर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ युद्ध किसी न किसी मोड़ पर खत्म होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि बेहतर है कि हम आज ही युद्ध समाप्त कर दें जब हम शक्ति और सम्मान की स्थिति में हैं और पूरी दुनिया हमारी जीत को स्वीकार कर रही है अमेरिका ने सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए हमारे स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर हमला किया। अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित ज़ापन समझौते को सम्मानजनक और मूल्यवान बताया और इस बात पर जोर दिया कि समझौते का एक भी प्रावधान आत्मसमर्पण का सुझाव नहीं देता है और सभी दायित्व दूसरे पक्ष पर हैं।

चीन ने विदेशियों के लिए बंद किया माउंट एवरेस्ट और तिब्बत की चोटी

बीजिंग। चीन ने इस साल विदेशी पर्वतारोहियों के लिए माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से सहित तिब्बत की सबसे ऊंची चोटियों (चो ओयु और शिशापंगमा) के रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए हैं। चीन द्वारा यह प्रतिबंध तिब्बत के शिगात्से के पास एक आतिशबाजी की घटना के बाद शुरू हुई जांच और विदेशी पर्वतारोहण को परमिट जारी करने में हुई भ्रष्टाचार में पाया। की जांच के बाद लगाया गया है। चीन ने इस वर्ष तिब्बत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों- चो ओयु (8,188 मीटर), शिशापंगमा (8,027 मीटर) और माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से (8,849 मीटर) पर विदेशी पर्वतारोहियों के जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

पीओके प्रदर्शन दिखाने पर चिढ़ा पाक

पत्रकार को आतंकी सूची में डाला

पाक सरकार ने पत्रकार और रिसर्वर दानिश इरशाद को फोर्थ शेड्यूल यानी आतंकवाद निगरानी सूची में शामिल कर दिया है। इरशाद ने पीओके में हाल के विरोध प्रदर्शनों पर लगातार रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की थी। अब उनका नाम पाकिस्तान की फोर्थ शेड्यूल लिस्ट में डाल दिया गया है। यह कार्रवाई 29 जुलाई को कथित तौर पर पीओके के गृह विभाग के आदेश से हुई। इस सूची में ऐसे लोगों को रखा जाता है, जिन पर आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का शक जताया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इरशाद का नाम 24 लोगों की सूची में 12वें नंबर पर है। आदेश में जम्मू-कश्मीर जवाइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएससी) से जुड़े लोगों का उल्लेख किया है। हालांकि इरशाद के खिलाफ किसी खास घटना या अपराध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। उनके खिलाफ किसी अदालत में मुकदमा चलने या दोष साबित होने की भी जानकारी नहीं है।

इयूटी फ्री आयात के बावजूद चीनी नहीं लेगा भारत

भारत ने इयूटी फ्री होने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी लेने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार ने साफ किया है कि इस्लामाबाद के साथ व्यापार पर लगी मौजूदा पाबंदियां जारी रहेंगी। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए कच्ची चीनी के इयूटी-फ्री आयात की इजाजत देने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीएम कार्नी सख्त, असुरक्षा बर्दाश्त नहीं कनाडा के गुरुद्वारे में हमला, दो घायल, आरोपी गिरफ्तार

एजेसी ►► टोरंटो

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शनिवार को एडमोंटन स्थित नानकसर गुरुद्वारा में हुए हमले की निंदा की। कार्नी ने इस घटना को 'बेहद दुखद और चौंकाने वाली' बताया और कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपने धार्मिक स्थल पर कभी असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक गुरुद्वारे के अंदर एक शख्स ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गुरुद्वारे के अंदर शांति समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना चल रही थी। यह हमला एडमोंटन शहर के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुद्वारे में सुबह पांच बजे के कुछ समय बाद हुआ। एडमोंटन पुलिस सेवा ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्स हिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया।

पीएम ने जताई संवेदनाएं

पीएम मार्क कार्नी ने एडमोंटन पुलिस सेवा की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार भी जताया। कार्नी ने एक्स पर लिखा कि सुबह एडमोंटन के नानकसर गुरुद्वारे में हुआ हमला बेहद दुखद है। इस घटना में घायल हुए दो लोगों और पूरे समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जो इस भयानक घटना से सद्ममे में है। किसी को भी अपने पूजा स्थल पर असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए।



Dr. Ortho®



Spinal Support For Pain-Free Sleep



Consumer Offer



DR. ORTHO REGULAR

Size: 72"x72"x4"

MRP: ₹ 12489/-



DR. ORTHO PREMIUM

Size: 72"x72"x5"

MRP: ₹ 20800/-



Orthopaedic Support Promotes Proper Spinal Alignment



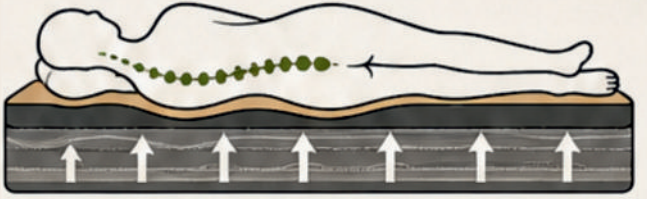
Pain Relief Helps Reduce Back & Body Pain



Breathable Comfort Better Airflow For Comfortable Sleep



Durable & Reliable Built For Long-lasting Performance



Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep

Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चूलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैक्टर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई में 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109